PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 280 ● भिलाई, मंगलवार 19 मई 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

प्रदेश में अब एआई संभालेगा सुरक्षा व्यवस्था

33 जिलों में 400 हाईटेक डायल 112 सेवा शुरू, अमित शाह ने दिखाई हरी झंडी

- नए आपराधिक कानूनों के तहत वैज्ञानिक जांच को मजबूती देने 32 आधुनिक फॉरेंसिक मोबाइल प्रयोगशालाएं मैदान में उतारी गई...400 नए आपातकालीन वाहन, 33 विशेष निगरानी वाहन और 60 राजमार्ग गश्ती वाहन रवाना किए गए

रायपुर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज राजधानी रायपुर में आयोजित राज्यस्तरीय समारोह में छत्तीसगढ़ की 'अत्याधुनिक डायल 112' आपातकालीन सेवा तथा आधुनिक फॉरेंसिक मोबाइल वैन के बेड़े को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप-मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा तथा छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। शासन-प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राज्य की आपातकालीन सहायता प्रणाली का विस्तार करना और नए आपराधिक कानूनों के तहत वैज्ञानिक अनुसंधान क्षमता को मजबूत करना है।वर्ष 2018 से संचालित डायल 112 आपात सेवा का दायरा बढ़ाते हुए इसे अब राज्य के सभी 33 जिलों में पूरी तरह लागू कर दिया गया है, जो पहले केवल 16 जिलों तक सीमित थी। इस नए और उन्नत चरण के तहत संपूर्ण व्यवस्था को तकनीकी रूप से अधिक सक्षम और त्वरित बनाया गया है। सुरक्षा मानकों और सहायता क्षमता को मजबूत करने के लिए डायल 112 सेवा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ऊ) आधारित स्थान पहचान तकनीक को जोड़ा गया है, जिससे संकट में फंसे व्यक्ति की वास्तविक भौगोलिक स्थिति का सटीक पता लगाया जा सकेगा।

इसके साथ ही, आपातकालीन कॉल और आंकड़ों का संचालन बिना किसी बाधा के जारी रखने के लिए सिविल लाइंस स्थित प्राथमिक नियंत्रण केंद्र के अतिरिक्त नया रायपुर स्थित पुलिस मुख्यालय में वैकल्पिक बैकअप प्रणाली पर आधारित दूसरा नियंत्रण केंद्र भी सक्रिय किया गया है। यह केंद्र किसी भी तकनीकी समस्या या आपदा की स्थिति में स्वत: बैकअप के रूप में कार्य करेगा। राज्यव्यापी सेवा विस्तार के तहत आज कुल 400 नए अत्याधुनिक आपातकालीन वाहन, 33 विशेष निगरानी वाहन तथा 60 नए राजमार्ग गश्ती वाहन विभिन्न जिलों के लिए रवाना किए गए। अब राज्य के नागरिक पारंपरिक दूरभाष कॉल के अलावा '112 इंडिया अनुप्रयोग', संकट संकेत सेवा, लघु संदेश सेवा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित संवाद प्रणाली, ईमेल, वेब अनुरोध तथा सामाजिक माध्यमों के जरिए भी आपातकालीन सहायता प्राप्त कर सकेंगे। महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए इस व्यवस्था में पैनिक बटन और विशेष निगरानी सुविधाएं भी जोड़ी गई हैं, जिससे पुलिस सहायता, एम्बुलेंस, अग्निशमन सेवा तथा महिला सहायता हेल्पलाइन को एकीकृत मंच पर उपलब्ध कराया जा सकेगा। नए आपराधिक कानूनों, विशेषकर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 176 के प्रभावी क्रियान्वयन से सभी गंभीर अपराधों में, जिनमें सात वर्ष या उससे अधिक की सजा निर्धारित है, घटनास्थल पर फॉरेंसिक विज्ञान दल की उपस्थिति और वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्र करना अनिवार्य किया गया है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने चखा बस्तर की इमली का स्वाद

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह सोमवार को बस्तर जिले के नेतानार ग्राम में सीआरपीएफ कैम्प पहुँचे। यहाँ उन्होंने शहीद वीर गुंडाधूर सेवा डेरा (जन सुविधा केंद्र) का उद्घाटन किया। अमित शाह ने इमली प्रसंस्करण केंद्र में प्रशिक्षण पा रही स्व सहायता समूह की महिलाओं से जाना कि कैसे वे इमली बिक्री कर अपनी आय में वृद्धि कर रही हैं। शाह ने बस्तर की इमली का स्वाद चखा और कहा कि यहां की इमली में बहुत मिठास है।

समूह की लंबी नाग ने बताया कि इस समूह से जुड़कर वे सालाना एक लाख रु तक आय अर्जित कर सकेंगी । गुंडाधूर महिला स्व सहायता समूह में महिलाएं इमली का प्रसंस्करण करके उच्च गुणवत्ता युक्त इमली पल्प तैयार कर रही हैं। वे सेवा सेतु केंद्र पहुँचे। यहां वे ग्राम नेतानार निवासी श्रीमती सुखदेवी से मिले। सुखदेवी ने बताया कि उन्होंने अभी अपनी पांच माह की बेटी पद्मा का आधार कार्ड बनवाया है। आधार सेवा केंद्र खुलने से पहले उन्हें 10 किलोमीटर पैदल चलकर नानगुर तक जाना पड़ता था । अब यहां पर ग्रामीणों को नया आधार, आधार अपडेट, केवायसी, मोबाइल नम्बर अपडेट, ई-आधार जैसी सुविधाएं मिल सकेंगी । सेवा सेतु केंद्र में श्रीमती सोनामनी ने बताया कि वे बहुत दिन महतारी वंदन योजना का ई के वाय सी कराना चाहती थी लेकिन दूरी अधिक होने के कारण वे जा नहीं पा रही थी। गांव में ही केंद्र खुल जाने के कारण आज ही उन्होंने ई के वाय सी करा लिया है ।

भारत और स्वीडन के बीच विभिन्न क्षेत्रों में छह समझौतों से संबंधों को नयी ऊर्जा और गति मिलेगी: पीएम मोदी

गोथेनबर्ग (स्वीडन)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत और स्वीडन के बीच सुरक्षा, आर्थिक , प्रौद्योगिकी और नवाचार सहित छह क्षेत्रों में हुए समझौतों और घोषणाओं से भारत-स्वीडन संबंधों को नई ऊर्जा और गति मिलेगी।

स्वीडन की यात्रा पर गये मोदी ने रविवार देर रात स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन के साथ द्विपक्षीय वार्ता की जिसके बाद दोनों देशों ने छह क्षेत्रों में सहयोग की घोषणा और समझौते किये। श्री मोदी ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में विश्वास व्यक्त किया कि भारत-स्वीडन साझेदारी एक अधिक समृद्ध और भविष्य-दृष्टि संपन्न विश्व के निर्माण में सार्थक योगदान देगी।उन्होंने कहा ,ये समझौते भारत-स्वीडन संबंधों को नई ऊर्जा और गति प्रदान करेंगे। मुझे विश्वास है कि भारत-स्वीडन साझेदारी एक अधिक समृद्ध और भविष्य-दृष्टि संपन्न विश्व के निर्माण में सार्थक योगदान देगी। इन समझौतों और घोषणाओं के तहत दोनों देशों ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जाने का निर्णय लिया है। इसके अंतर्गत स्थिरता और सुरक्षा के लिए दोनों देश रणनीतिक संवाद करेंगे। उनके बीच अगली पीढ़ी की आर्थिक साझेदारी होगी। प्रौद्योगिकी के क्षेत्र और लोगों के बीच सहयोग को बल मिलेगा ।दोनों देशों ने भारत-स्वीडन संयुक्त नवाचार भागीदारी 2.0 शुरू करने का भी निर्णय लिया है ।भारत और स्वीडन संयुक्त रूप से प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता कॉरिडोर का विकास करेंगे ।उन्होंने अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को दोगुना करने पर सहमति व्यक्त की है ।स्टार्ट अप और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए उन्होंने भारत-स्वीडन एसएमई और स्टार्ट अप प्लेटफार्म के विकास की भी घोषणा की। दोनों देशों ने विकास भी विरासत श्रृंखला के तहत टैगोर-स्वीडन व्याख्यान भी शुरू करने का निर्णय लिया।

सतीशन बने केरल नये मुख्यमंत्री 20 और मंत्रियों ने ली शपथ

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस नेता वीडी सतीशन ने सोमवार को केरल के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। उनके साथ 20 अन्य विधायकों को भी मंत्री पद की शपथ दिलायी गयी।इन सभी को यहां सेंट्रल स्टेडियम में आयोजित समारोह में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने गोपनीयता की शपथ दिलायी।मंत्री पद की शपथ लेने वालों में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला तथा के मुरलीधरन, केपीसीसी प्रमुख सनी जोसेफ, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के नेता पीके कुन्हालीकुट्टी शामिल हैं। इनके अलावा पीके बशीर, एन समसुद्दीन, केएम शाजी और वीई अब्दुल गफूर, एम. जोसेफ, शिबू बेबी जॉन, अनूप जैकब, सीपी जॉन, एपी अनिल कुमार, टी सिद्दीकी, पीसी विष्णुनाथ, रोजी एम जॉन, बिंदू कृष्णा, एम लिजू, केए थुलसी और ओ जे जनीश ने भी मंत्री पद की शपथ ली।शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और कई अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

नो वर्क नो पेमेंट का सिद्धांत हर जगह नहीं होता लागू

राज्य सरकार को हाई कोर्ट ने दिया ये आदेश

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ बिलासपुर हाई कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है, काम नहीं तो वेतन नहीं का सिद्धांत सार्वभौमिक रूप से लागू नहीं होता, प्रत्येक मामले के तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर इसे लागू किया जाना चाहिए। यह प्रत्येक प्रकरण के तथ्य तथा परिस्थितियों पर निर्भर करता है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को उपायुक्त और सहायक आयुक्त के पदों के वेतन के अंतर का 50त्र, 13.जुलाई 2011 से 31.दिसंबर.2016 तक की अवधि के लिए गणना करके, इस आदेश की प्रति प्राप्त होने की तिथि से चार माह की अवधि के भीतर भुगतान करे। निर्धारित अवधि के भीतर भुगतान न करने की स्थिति में, पूरी राशि पर भुगतान होने तक 6त्र प्रति वर्ष की दर से ब्याज लगेगा।

जीआर. साहू रिटायर्ड असिस्टेंट कमिश्नर ट्राइबल वेलफेयर ने अधिवक्ता श्रेया जायसवाल के जरिए छत्तीसगढ़ बिलासपुर हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता ने कोर्ट से मांग की थी, डीपीसी. की सिफारिश की तिथि से पदोन्नत की जाए। जितेंद्र गुप्ता व ए नवरंग ऊपर रखते हुए, वेतन के बकाया, आगे की पदोन्नति के लिए वरिष्ठता और पेंशन के संशोधन के साथ।

2. याचिका लंबित रहने के दौरान, राज्य शासन ने 29 नवंबर 2019 के आदेश द्वारा याचिकाकर्ता को अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग में उपायुक्त के पद पर 13 जुलाई 2011 से नाममात्र पदोन्नति दे दी, जो काम नहीं तो वेतन नहीं के सिद्धांत को लागू करते हुए की गई थी। लिहाजा उनकी वरिष्ठता, वेतन, पेंशन और ग्रेच्युटी में संशोधन किया गया।

याचिकाकर्ता जीआर साहू,अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग में सहायक आयुक्त के पद पर कार्यरत थे और 31 दिसंबर2016 को उनकी सेवानिवृत्ति की आयु समाप्त हो गई। 01 अप्रैल 2008 को जारी सहायक आयुक्तों की श्रेणी सूची के अनुसार, क्रमांक 16 पर थे,

जबकि जितेंद्र गुप्ता व ए नवरंग 17 और 19 पर थे। हालांकि, 13.जुलाई 2011 के आदेश द्वारा दोनों को उप आयुक्त के पद पर पदोन्नत किया गया, जबकि उसे पदोन्नति से वंचित कर दिया गया। याचिकाकर्ता के अनुसार उसने पदोन्नति पर विचार करने के लिए 07 सितंबर.2010 और 04.फरवरी 2011 को अभ्यावेदन प्रस्तुत किए थे, लेकिन उन पर कोई निर्णय नहीं लिया गया।

सुवेंदु कैबिनेट ने लिए कई बड़े फैसले

महिलाओं को मिलेंगे 3000 रुपये महीना, मदरसे पर चला हथौड़ा

- महिलाओं के लिए अन्नपूर्णा भंडार योजना को कैबिनेट की मंजूरी
- 1 जून से महिलाओं को प्रति माह 3,000 रुपये मिलेंगे
- सरकारी बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा सेवा शुरू

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में सीएम सुवेंदु ने कैबिनेट की दूसरी बैठक में महिलाओं के लिए अन्नपूर्णा भंडार योजना और फ्री बस सेवा को मंजूरी दे दी। इस योजना के लागू होते ही बंगाल की महिलाओं को एक जून से हर महीने 3,000 रुपये मिलेंगे। इसके साथ ही एक जून से सभी महिलाएं सरकारी बसों में मुफ्त में सफर कर सकेंगी।इसके साथ ही सरकारी कर्मचारियों के लिए सातवें वेतन आयोग का भी राज्य सरकार ने गठन किया है। हालांकि, दूसरी कैबिनेट बैठक में बकाया डीए पर कोई फैसला नहीं लिया गया।इसके अलावा मंत्री अग्निमित्रा पाल ने बताया कि जिन महिलाओं का नाम लक्ष्मी भंडार में है उन्हें नए तरीके से अन्नपूर्णा भंडार योजना के लिए फार्म भरने की जरूरत नहीं पड़ेगी।वहीं, मदरसा को मिलने वाले तमाम सरकारी सहायता को बंद करने का निर्णय लिया गया है। इसमें इमाम और मोअज्जिम को मिलने वाला मासिक भत्ता भी शामिल है।इसके अलावा 2011 से राज्य में ओबीसी आरक्षण सूची का दोबारा जांच कराने की भी बात कही गई है।

चौवालीस वर्षों बाद यूडीएफ मंत्रिमंडल के 21 सदस्यों ने एक साथ ली शपथ

तिरुवनंतपुरम। केरल में कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चे (यूडीएफ) ने एक दशक बाद सत्ता में वापसी करते हुए नया मंत्रिमंडल गठित किया। यह 44 साल में पहली बार है जब यूडीएफ के पूरे मंत्रिमंडल ने एक साथ शपथ ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वी. डी. सतीशन को राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने राज्य के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। सतीशन के साथ अन्य 20 अन्य विधायकों को भी शपथ दिलायी गयी। सतीशन के अलावा जिन नेताओं को मंत्री पद की शपथ दिलायी गयी उनमें पी.के. कुन्हालिकुट्टी, रमेश चेन्निथला, सनी जोसेफ, के. मुरलीधरन, एम. जोसेफ, शिबू बेबी जॉन, सी.पी. जॉन,

अनूप जैकब, ए.पी. अनिल कुमार, बिंदू कृष्णा, पी.सी. विष्णुनाथ, एम. लिजू, टी. सिद्दीकी, रोजी एम. जॉन, ओ.जे. जनीश, के.ए. थुलसी, पी.के. बशीर, एन. शम्सुद्दीन, के.एम. शाजी और वी.ई. अब्दुल गफूर शामिल हैं। इस तरह 1982 में के. करुणाकरण सरकार के बाद पहली बार 44 वर्षों के बाद यूडीएफ मंत्रिमंडल एक साथ शपथ लेता नजर आया। यूडीएफ ने इस अवसर को राज्य में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के दस वर्षीय शासन के बाद नये राजनीतिक युग की शुरुआत करार दिया। लोकभवन को मंत्रियों की अंतिम सूची रविवार शाम सौंपी गयी थी। मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन ने स्वयं सभी 21 मंत्रियों की सूची राज्यपाल को सौंप दी थी।

गरियाबंद पहुंचे डिप्टी डायरेक्टर पर हमला, टूट पड़े अतिक्रमणकारी

गरियाबंद। गरियाबंद से एक बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंचे उपनिदेशक और उनकी टीम पर अतिक्रमणकारियों ने हमला कर दिया है। डिप्टी डायरेक्टर वरुण जैन के साथ भी धक्का-मुक्की की गई है। घटना के बाद मौके पर भारी पुलिसबल तैनात किया गया है। घटना उदंती अभ्यारण के कोर जोन अंतर्गत सीतानदी रेंज के जैतपुरी गांव की बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, बीते दिनों अभ्यारण्य प्रशासन ने उदंती अभ्यारण के कोर जोन में सीतानदी रेंज के जैतपुरी गांव में 166 अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कार्रवाई शुरु किया था। गांव के 166 परिवार के मुखिया के खिलाफ वन अपराध का मामला भी दर्ज है। इसी के तहत उपनिदेशक कार्रवाई करने जैतपुरी गांव पहुंचे थे, जहां अतिक्रमणकारियों ने उनपर हमला बोल दिया।

डोनाल्ड ट्रंप की चीन यात्रा

बड़े बे आबरू होकर तेरे कूचे से हम निकले

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गत 13-14 मई को चीन का बहुप्रतीक्षित दौरा किया। विश्व की इन दोनों महाशक्तियों के प्रमुखों की मुलाक़ात पर पूरे विश्व की निगाहें लगी हुई थीं। ख़ासकर अमेरिका-ईरान के मध्य चल रहे तनाव के बीच इस मुलाक़ात को काफ़ी अहम माना जा रहा था। दुनिया की नज़रें इस बात पर भी टिकी थीं कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जोकि अनेक फ़्रांस,ब्रिटेन व यूक्रेन जैसे कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ अपनी असामान्य हरकतों से पेश आने व असहज करने वाले बयानों के लिये सुर्ख़ियों में रहते हैं, आख़िर चीन में उनकी भाषा,रवैय्या व बर्ताव कैसा रहेगा। बहरहाल,जिस अमेरिकी राष्ट्रपति के आगमन पर दुनिया के तमाम देश अपनी पलकें बिछाये रहते हैं और प्राय: अमेरिकी राष्ट्रपति के समकक्ष ही हवाई अड्डे पर उनका स्वागत करते हैं वहीं बीजिंग में उनके स्वागत के लिये चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग स्वयं नहीं पहुंचे बल्कि उपराष्ट्रपति हान झेंग ने राष्ट्रपति ट्रंप का स्वागत किया। हान झेंग हालांकि सीधे तौर पर चीन के विदेश मंत्री नहीं हैं परन्तु विदेश मामलों में उनकी भूमिका मुख्यत: कूटनीतिक प्रतिनिधित्व, उच्च-स्तरीय मुलाक़ातें, और द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने की होती है।

ट्रंप और जिनपिंग के बीच बीजिंग में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान घटी एक असामान्य घटना ने पूरे विश्व का ध्यान अपनी तरफ़ खींचा। बैठक के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के अपने स्थान से उठने के बाद ट्रंप ने शी जिनपिंग के पास रखी उनकी व्यक्तिगत डायरी के पन्ने पलट कर चुपके से झांकने की कोशिश की। निजी ताक-झांक की इस हरकत को विशेषज्ञों व अंतर्राष्ट्रीय मीडिया द्वारा ट्रंप की व्यक्तिगत शैली से जोड़कर देखा गया। इस घटना को दस्तावेज़ या नोट में बिना पूछे झांकना, दूसरे नेता को पलायन या नियंत्रण की स्थिति में दिखाना और संवाद दौरे के दौरान नर्म दबाव बनाने की चाल चलना आदि के रूप में भी परिभाषित किया गया। दुनिया ने चीन दौरे के दौरान उसी राष्ट्रपति ट्रंप राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बॉडी लैंग्वेज पर भी नज़र रखी।राष्ट्रपति ट्रंप चीन में अत्यंत संतुलित भाषा का प्रयोग करते और अपने चीनी समक्ष के सामने पूरी नरमी से पेश आते दिखाई दिये। अपनी चीन यात्रा के बाद अमेरिकी प्रशासन और स्वयं राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा कई स्तरों पर बयान जारी किए गए जिनमें इस यात्रा को ऐतिहासिक और सफल बताया गया।

राज्यपाल रमेन डेका ने लगाया 'एक पेड़ मां के नाम', दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका ने अपने बेमेतरा प्रवास के दौरान स्थानीय सर्किट हाउस परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने परिसर में आंवले का पौधारोपण कर वसुंधरा को हरा-भरा बनाने और पर्यावरण को सुरक्षित रखने का एक मजबूत संदेश दिया। पौधरोपण के पश्चात राज्यपाल डेका ने उपस्थित अधिकारियों और आमजनों को संबोधित करते हुए कहा कि पेड़-पौधे हमारे जीवन का आधार हैं। तेजी से बदलते मौसम चक्र और वैश्विक तापमान को नियंत्रित करने के लिए हर नागरिक को अपने जीवन में पौधे अवश्य लगाने चाहिए। उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की सराहना करते हुए कहा कि अपनी माता जी के सम्मान में लगाया गया यह पौधा न केवल पर्यावरण को समृद्ध करेगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी जीवनदायी साबित होगा।

राज्यपाल के बेमेतरा आगमन पर विधायक दीपेश साहू ने किया स्वागत

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका के बेमेतरा आगमन पर सर्किट हाउस में विधायकदीपेश साहू ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। तत्पश्चात राज्यपाल के साथ विधायक साहू 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान अंतर्गत आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के निर्माण का संदेश दिया गया। विधायक साहू ने अपने संबोधन में कहा कि माननीय राज्यपाल का बेमेतरा आगमन हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। उनके मार्गदर्शन में प्रदेश सतत विकास की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' जैसे अभियान समाज को प्रकृति से जोड़ने के साथ-साथ भावनात्मक रूप से भी जागरूक करते हैं। प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखरेख का संकल्प लेना चाहिए, तभी आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण मिल सकेगा।

अधिकारियों और आमजनों से की अपील

राज्यपाल ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जिले में पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन की दिशा में सघन वृक्षारोपण अभियान चलाएं और लगाए गए पौधों की उचित देखभाल व सुरक्षा भी सुनिश्चित करें। उन्होंने आम जनता से भी अपील की कि वे इस मानसून और विशेष अवसरों पर कम से कम एक पौधा जरूर लगाएं और उसके बड़े होने तक उसकी जिम्मेदारी लें। इस गरिमामयी कार्यक्रम के दौरान खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल, विधायक साजा ईश्वर साहू, विधायक बेमेतरा दीपेश साहू, कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं, डी आई जी राम कृष्ण साहू, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने राज्यपाल की इस मुहिम की सराहना करते हुए पर्यावरण को स्वच्छ और हरा-भरा बनाए रखने का संकल्प लिया।

राज्यपाल का शिवम् ने किया स्वागत

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका का बेमेतरा आगमन हुआ। इस अवसर पर माता भद्रकाली की पावन धरा बेमेतरा में जनसेवक शिवम् तिवारी ने उनका भव्य स्वागत किया। आशीर्वाद प्राप्त कर उन्होंने उनका मार्गदर्शन भी प्राप्त किया। राज्यपाल ने जनसेवा को सर्वोपरि बताते हुए, सभी को मिलकर समाज के उत्थान के लिए कार्य करने के लिए प्रेरित किया। शिवम् तिवारी ने विश्वास दिलाया कि वे इस पावन संदेश को आत्मसात कर क्षेत्र के विकास के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। इस अवसर पर समाजसेवी राजेंद्र खुराना उत्तम महेश्वरी राजा आशीष गुप्ता भद्रकाली मंदिर के पुजारी सत्री महाराज उपस्थित थे।

1 किलो 880 ग्राम गांजा के साथ आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा। साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक मयंक मिश्रा, थाना प्रभारी साजा निरीक्षक

रोशन लाल टोन्डे एवं साइबर सेल व थाना साजा पुलिस टीम ने मादक पदार्थों की अवैध बि ी में संलिप्त पर कार्रवाई तेज करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से 24 हजार रूपये से भी अधिक की 01 किलो 880 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा को जप्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है। इसी क्रम में 15 मई 2026 को थाना साजा को जरिये मुखबीर से सुचना मिला कि ग्राम खैरी का एक व्यक्ति अपने घर में अवैध रूप से बिक्री हेतु मादक पदार्थ गांजा रखा है कि सूचना पर, उक्त सूचना के संबंध में वरिष्ट अधिकारियो को अवगत कराया गया। पुलिस टीम द्वारा सूचना के आधार पर आरोपी हेमराम वर्मा का घर, ग्राम खैरी पहुंच कर अवैध मादक पदार्थ गांजा के साथ पकड़ा गया। आरोपी हेमराम वर्मा पिता गजराज वर्मा उम्र 38 वर्ष, निवासी खैरी थाना साजा जिला बेमेतरा के कब्जे से अवैध मादक पदार्थ गांजा 01 किलो 880 ग्राम कीमती करीबन 24,000/- रूपये को जप्त किया गया है।

जनसेवा एवं सुशासन के संकल्प को साकार कर रही सरकार : राजेन्द्र शर्मा

बेमेतरा। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जिला बेमेतरा के ग्राम पंचायत ठेलका में आयोजित समाधान शिविर में रायपुर ज़िला प्रभारी एवं भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा बेमेतरा राजेन्द्र शर्मा शामिल हुए। शिविर में पहुंचकर उन्होंने ग्रामीणजनों से आत्मीय संवाद किया तथा उनकी समस्याओं, मांगों एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए ग्रामीणों को इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। राजेन्द्र शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश में सुशासन, पारदर्शिता एवं जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य कर रही है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार गरीब, किसान, युवा, महिला एवं वंचित वर्गों के उत्थान के लिए अनेक ऐतिहासिक योजनाएं संचालित कर रही है, जिनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना भाजपा सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं शासन-प्रशासन को जनता के और अधिक करीब लाने का सशक्त माध्यम है। इस प्रकार के समाधान शिविरों से ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए भटकना नहीं पड़ता तथा एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सुविधाएं उपलब्ध हो जाती हैं।

राजेन्द्र शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, किसान सम्मान निधि, स्वच्छ भारत अभियान जैसी योजनाओं ने देश के करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया है। वहीं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार भी किसानों, महिलाओं, युवाओं एवं गरीब परिवारों के कल्याण हेतु निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ करें, ताकि प्रत्येक पात्र व्यक्ति शासन की योजनाओं से लाभान्वित हो सके।

उन्होंने कहा कि भाजपा की राजनीति सत्ता के लिए नहीं, बल्कि सेवा, विकास एवं राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। समाधान शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे, जिन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं एवं आवेदनों का निराकरण किया। शिविर में ग्रामीणों ने भी शासन की पहल की सराहना करते हुए अपनी समस्याओं के त्वरित समाधान पर संतोष व्यक्त किया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता अधिकारी कर्मचारी गण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

लूटपाट के इरादे से ट्रक के शीशे को तोड़ने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा। लूटपाट करने के इरादे से अश्लील गाली गलौज, जान से मारने की धमकी देने, डंडे से मारपीट कर रुपए की मांग करते हुए ट्रक के शीशे को तोड़ कर नुकसान पहुंचाने के मामले में 02 आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। प्रार्थी राजकरन पाल उम्र 45 वर्ष निवासी सीतापुर चित्रकुट सीतापुर चित्रकुट थाना चित्रकूट जिला चित्रकुट (उ.प्र.) अपने वाहन ट्रक क्रमांक MH 18 BG 2246 के डाला पीछे शक्कर लोडकर थानखम्हरिया आया था रात्रि होने से लेबर नही मिलने से गाडी को थानखम्हरिया के सिल्हाटी चौक के पास खड़ी करके रात्रि में सो रहा था कि रात्रि करीबन 11.30 बजे दो लडके उम्र करीबन 20-25 साल के लुटपाट करने के इरादे से आकर वाहन के सामने ग्लास साईड ग्लास को तोडफोड करते दरवाजे के पास से डण्डा से अंदर डालकर धक्का देते हुये अश्लील गाली गलौज जान से मारने की धमकी देकर रुपए की मांग करने लगे। विरोध करने पर दोनों आरोपियों ने लाठी-डंडे से हमलाकर दिया और ट्रक के शीशे तोड दिए। हमले में सिर छाती और हाथ में चोटें आई। घटना के दौरान स्थानीय

युवकों ने बीच-बचाव किया। शेषनारायण मिश्रा उर्फ सल्लु, मिथलेश पाल उर्फ मिट्टु थानखम्हरिया द्वारा अश्लील गाली गलौज, जान से मारने की धमकी, लाठी-डंडे से वारकर ट्रक के सीसा को नुकसान करने से 60,000/- रूपये का नुकसान हुआ है। रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में विवेचना के दौरान आरोपी शेषनारायण मिश्रा उर्फ सुल्लु एवं मिथलेश पाल उर्फ मिट्ठु पाल को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर अपराध करना स्वीकार किया।

ग्राम निनवा मे मिला 136 वर्ष प्राचीन हस्तलिखित श्रीमद भागवत पुराण और अन्य पांडुलिपियां

तिल्दा-नेवरा। ज्ञान भारत मिशन के अंतर्गत जिले मे प्राचीन एवं दुर्लभ पांडुलिपियों का संरक्षण और दस्तावेजीकरण का कार्य किया जा रहा है. इसके तहत जिले मे विभिन्न एऐतिहासिक पांडुलिपियों का संग्रहण कर उन्हें ज्ञान भारतम पोर्टल मे अपलोड किया जा रहा है। इसी क्रम मे जनपद पंचायत तिल्दा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रवि कुमार ने ग्राम निनवा, विकासखण्ड तिल्दा निवासी प्रसिद्ध भागवताचार्य पंडित नंदकुमार शर्मा के निवास गृह मे पहुंचकर सनातन धर्म से जुड़ी अत्यंत दुर्लभ एवं तिहासिक धार्मिक धरोहरों का अवलोकन किया। इस दौरान आचार्य शर्मा के पास लगभग 136 वर्ष प्राचीन श्रीमद भागवत महापुराण सहित कई महत्तवपूर्ण हस्तलिखित धार्मिक पांडुलिपियां प्राप्त हुई है. अपने पूर्वजो की इन प्राचीन धरोहरों को आचार्य पंडित नंदकुमार शर्मा द्वारा वर्षो से अत्यंत श्रद्धा, सावधानी और समर्पण के साथ सुरक्षित संरक्षित रखा गया था। इनमे लगभग 100 वर्ष पूर्व की हस्तलिखित भजन, फाग गीतों की पांडुलिपियों भी शामिल है। जो तात्कालिक धार्मिक, सॉंस्कृतिक और लोक परम्पराओं की अमूल्य धरोहर मानी जा रही है। बताया गया कि आचार्य शर्मा छत्तीसगढ़ के साथ साथ अन्य राज्यों मे अपने भागवत कथा, राम कथा जैसी धार्मिक अनुष्ठानों के माध्यम से सनातन धर्म के प्रचार प्रसार के लिए लोगों को प्रेरित करते रहते है और सनातन धर्म के प्रति जागरूक बनाने के लिए अथक प्रयास करते है। ग्रामीणों के माध्यम से यह जानकारी मिली कि आज के समय मे ग्राम निनवा को आचार्य नंदकुमार शर्मा के नाम से जाना और पहचाना जाता है।

भागवत ज्ञान यज्ञ से लाभान्वित हो रहे श्रद्धालु

दुर्ग। शहर के श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर दुर्ग ट्रांसपोर्ट एवं भाजपा कार्यालय के पीछे भव्य श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। इस धार्मिक अनुष्ठान में विख्यात कथावाचक पं. श्री नरेन्द्र नयन शास्त्री (बाघ वाले बाबा) द्वारा प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से संगीतमय कथा की अमृत वर्षा की जा रही है। मंदिर समिति और हनुमान चरण अनुरागी भक्तों द्वारा यह आयोजन किया जा रहा हैं।

महंगाई, ईंधन संकट और खाद कटौती पर कांग्रेस का तीखा हमला, मोदी सरकार की गलत नीतियों से आम आदमी बेहाल, किसान परेशान

पेट्रोल-डीजल संकट, बढ़ती महंगाई और खाद की कमी को लेकर कांग्रेस ने खोला मोर्चा

बालोद। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी बालोद द्वारा राजीव भवन में प्रेसवार्ता आयोजित कर केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर हमला बोला गया। प्रेसवार्ता में बढ़ती महंगाई, पेट्रोल-डीजल की किल्लत, खाद की कमी, किसानों की समस्याओं और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण आम जनता, किसान और व्यापारी आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी बालोद के अध्यक्ष चंद्रेश हिरवानी ने कहा कि पहले घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में बेतहाशा वृद्धि की गई और अब पेट्रोल-डीजल के दामों में 3 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर दी गई है। उन्होंने कहा कि इसका सीधा असर आम जनता की जेब पर पड़ रहा है। गृहणियों का रसोई बजट बिगड़ चुका है, किसान खेती की बढ़ती लागत से परेशान हैं और व्यापारी परिवहन खर्च बढ़ने से संकट में हैं। उन्होंने कहा कि जिले सहित प्रदेशभर में पेट्रोल-डीजल की भारी किल्लत देखने को मिल रही है। लोग भीषण गर्मी में घंटों पेट्रोल पंपों पर लाइन लगाने को मजबूर हैं। ऑयल कंपनियों द्वारा भविष्य में पेट्रोल-डीजल के दाम 15 से 20 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ाने के संकेत दिए जा रहे हैं, जिससे हालात और गंभीर हो सकते हैं।

खाद कटौती से किसानों में भारी आक्रोश

चंद्रेश हिरवानी ने राज्य सरकार पर किसानों के साथ अन्याय करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वैज्ञानिक अनुशंसा के नाम पर किसानों को भूमि रकबे के अनुसार मिलने वाले रासायनिक खाद की मात्रा में भारी कटौती की जा रही है। उन्होंने कहा कि जब देश में अनाज उत्पादन बढ़ाने के लिए किसानों को अधिक रासायनिक खाद उपयोग करने प्रेरित किया गया और हरित क्रांति लाई गई, तब अब अचानक खाद की मात्रा कम करना किसानों के हितों के खिलाफ है, उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले वर्ष सरकार ने कम धान खरीदने की मंशा से किसानों से जबरन रकबा समर्पण करवाया था और अब खाद की कटौती कर इस वर्ष भी किसानों को शुरू से परेशान किया जा रहा है। कांग्रेस पार्टी किसानों के इस मुद्दे पर सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी और जरूरत पड़ने पर उग्र आंदोलन भी किया जाएगा।

मोदी राज में देश की अर्थव्यवस्था कमजोर हुई : अरुण वोरा

प्रेसवार्ता के मुख्य वक्ता एवं दुर्ग शहर के पूर्व विधायक अरुण वोरा ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था, लेकिन मोदी सरकार में देश छठे स्थान पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वैश्विक संकट और आर्थिक चुनौतियों से निपटने में असफल साबित हुए हैं। अरुण वोरा ने कहा कि देश ने पहले भी युद्ध और आर्थिक संकट जैसे कई कठिन दौर देखे हैं, लेकिन तत्कालीन सरकारों ने सूझबूझ से उनका समाधान किया। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार ने विपक्षी दलों के साथ संवाद तक नहीं किया और जनता पर ही बोझ डालने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जनता से पेट्रोल-डीजल कम उपयोग करने, वर्क फ्रॉम होम करने, सोना नहीं खरीदने और तेल कम खाने जैसी अपील कर रहे हैं, जबकि आम आदमी पहले से ही महंगाई की मार झेल रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि फेरी लगाने वाले, छोटे व्यापारी, मजदूर और फील्ड में काम करने वाले लोग आखिर वर्क फ्रॉम होम कैसे करेंगे।

किचन का बजट बिगड़ा, आम आदमी कर्जदार हुआ

अरुण वोरा ने कहा कि महंगाई के कारण गृहणियों का किचन बजट पूरी तरह चरमरा गया है। खाद्य तेल, खाद्यान्न और आवश्यक वस्तुओं की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2013 में सोने की कीमत 28 से 29 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम थी, जबकि अब यह डेढ़ लाख रुपए के पार पहुंच चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार के कार्यकाल में पेट्रोल के दाम 70 रुपए से बढ़कर 104 रुपए और डीजल 55 रुपए से बढ़कर 97 रुपए प्रति लीटर तक पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल 19 डॉलर प्रति बैरल था, तब भी देश में पेट्रोल-डीजल 100 रुपए में बेचा गया।

पहले भाजपा नेता खुद साइकिल चलाएं

अरुण वोरा ने कहा कि प्रधानमंत्री यदि पेट्रोल-डीजल बचाने की सलाह दे रहे हैं तो सबसे पहले भाजपा नेताओं, मंत्रियों और पदाधिकारियों को स्वयं साइकिल चलाकर उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार महंगाई और बेरोजगारी नियंत्रित करने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। उन्होंने हाल ही में सामने आए सर्वे का हवाला देते हुए कहा कि मोदी सरकार की गलत आर्थिक नीतियों, रोजगार देने में विफलता, पेट्रोल-डीजल पर भारी एक्साइज ड्यूटी, रेलवे किराए में बढ़ोतरी, टोल टैक्स और आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी लगाने के कारण आम आदमी की बचत खत्म हो रही है और लोग कर्जदार होते जा रहे हैं। प्रेसवार्ता के दौरान कांग्रेस नेता पुरुषोत्तम पटेल, ब्लॉक अध्यक्ष नरेंद्र सिन्हा, अंचल प्रकाश साहू, कमलेश श्रीवास्तव, कसीमुद्दीन कुरैशी और धीरज उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

कमल विहार में एक्सीडेंट का झमा कर लूट : 3 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर के टिकरापारा थाना क्षेत्र में एक्सीडेंट का बहाना बनाकर युवक से लूट करने वाले 3 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने पहले बाइक से टक्कर मारी, फिर विवाद कर मारपीट करते हुए युवक से नकदी लूट ली थी।मामले में पुलिस के मुताबिक प्रार्थी लक्की ठाकुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 12 मई 2026 की दोपहर वह अपने दोस्त दिलीप पटेल के साथ बाइक क्रमांक सीजी 04 क्यू पी 0821 से टाइल्स खरीदने गया था। इसी दौरान आरोपियों ने लापरवाही से बाइक चलाते हुए उनकी बाइक को टक्कर मार दी। इसके बाद आरोपी पैसे की मांग करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने अपने दो अन्य साथियों को बुलाकर दोनों युवकों के साथ हाथ-मुक्कों और प्लास्टिक पाइप से मारपीट की और जेब में रखे 15,350 रुपए लूटकर फरार हो गए।घटना की शिकायत पर टिकरापारा थाना में अपराध क्रमांक 416/2026 के तहत मामला दर्ज किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर थाना प्रभारी राजेश कुमार मरई के नेतृत्व में टीम गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई।तकनीकी साक्ष्यों और लगातार पूछताछ के आधार पर पुलिस ने तीनों आरोपियों की पहचान कर दबिश दी और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई रकम में से 2,500 रुपए नगद तथा घटना में प्रयुक्त बाइक क्रमांक सीजी 04 एनके 5343 जब्त की है।गिरफ्तार आरोपियों में आरिफ सिद्धिकी उर्फ सोनू (26), अभिषेक साहू (22) और खिलेश नागरची उर्फ साहिल (20) शामिल हैं। तीनों आरोपी टिकरापारा और संतोषी नगर क्षेत्र के रहने वाले हैं। पुलिस ने आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

शराब पीने से मना किया तो कर दी हत्या

रायपुर। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में शराब पीने से मना करना एक व्यक्ति को भारी पड़ गया। शिवरीनारायण थाना क्षेत्र में विवाद के दौरान एक व्यक्ति की लाठी-डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान मोहन महिपाल (45) निवासी तनौद गांव के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि शराब पीने को लेकर उसका आरोपी से विवाद हो गया था। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी ने मोहन पर लाठी-डंडे से हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल मोहन को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही मामले का विस्तृत खुलासा किया जाएगा।

खरखरा जलाशय में मछलियों को दाना डालने गया मजदूर डूबा, मौत

रायपुर। जिले के डौंडी लोहारा थाना क्षेत्र स्थित खरखरा जलाशय में मछली पालन कार्य के दौरान एक बुजुर्ग मजदूर की डूबने से मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान बिहारी लाल सलाम (75 वर्ष) निवासी अन्नपूर्णा पारा, जिला कांकेर के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक बिहारी लाल सलाम जलाशय में बने गेज में मछलियों को दाना डालने गया था। इसी दौरान वह गहरे पानी में डूब गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और गोताखोरों की टीम मौके पर पहुंची और शव की तलाश शुरू की गई। बाद में शव को बाहर निकाला गया। घटना को लेकर मछली पालन कराने वाले ठेकेदार की लापरवाही पर सवाल उठ रहे हैं। बताया जा रहा है कि मजदूर को बिना सुरक्षा जैकेट के ही पानी में भेजा गया था। सूत्रों के अनुसार बुजुर्ग मजदूर ने पानी में जाने से मना भी किया था, लेकिन इसके बावजूद उसे काम पर भेज दिया गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। ठेकेदार से पूछताछ की जा रही है और सुरक्षा मानकों में लापरवाही की भी जांच की जा रही है।

नकली नोट छापने वाले गिरोह का भंडाफोड़, 6.54 लाख के फर्जी नोट जब्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में पुलिस ने नकली नोट छापने वाले गिरोह का बड़ा खुलासा किया है। कोतवाली थाना और क्राइम ब्रांच की संयुक्त कार्रवाई में करीब 6 लाख 54 हजार रुपए के नकली नोट बरामद किए गए हैं। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जो अपने घर में ही 500-500 रुपए के नकली नोट छाप रहा था। जानकारी के मुताबिक पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि नया बस स्टैंड इलाके में एक युवक बड़ी मात्रा में नकली नोट लेकर घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से 500-500 रुपए के बड़ी संख्या में नकली नोट बरामद हुए। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह प्रिंटर और अन्य उपकरणों की मदद से घर में ही नकली नोट तैयार करता था।

मुख्यमंत्री ने धमतरी में सुशासन तिहार के तहत 465 करोड़ रुपये के 102 विकास कार्यों की दी सौगात

अम्बेडकर चौक से रूद्री चौक तक बनेगा फोरलेन-साय

- सुशासन तिहार बना जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण और संवेदनशील प्रशासन का सशक्त माध्यम

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज धमतरी में आयोजित सुशासन तिहार कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने जिलेवासियों को 465 करोड़ रुपये की लागत के 102 विकास कार्यों की बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने 423 करोड़ 52 लाख 56 हजार रुपये लागत के 52 कार्यों का भूमिपूजन तथा 41 करोड़ 50 लाख 48 हजार रुपये से अधिक लागत के 50 कार्यों का लोकार्पण किया। इन विकास कार्यों के माध्यम से जिले में सड़क, पेयजल, नगरीय अधोसंरचना और जनसुविधाओं का विस्तार होगा तथा आमजन को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश सरकार सुशासन, संवेदनशील प्रशासन और त्वरित समाधान की कार्यसंस्कृति के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि 1 मई से 10 जून तक आयोजित सुशासन तिहार के माध्यम से गांव-गांव में क्लस्टरवार शिविर लगाकर आम नागरिकों की समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण किया जा रहा है। राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए विशेष अभियान चलाया गया है, जिससे हजारों लोगों को राहत मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसानों, महिलाओं, युवाओं और गरीब परिवारों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश में किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार अंत्योदय की भावना के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रशासनिक पारदर्शिता और डिजिटल गवर्नेंस को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए कहा कि शीघ्र ही मुख्यमंत्री हेल्पलाइन प्रारंभ की जाएगी, जिसके माध्यम से नागरिक घर बैठे अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे और समय-सीमा में उनका निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना एवं बिजली बिल भुगतान समाधान योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार जरूरतमंद परिवारों को राहत पहुंचाने के लिए संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने नागरिकों से प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील भी की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर संभाग में सुशासन तिहार के साथ बस्तर मुन्ने और नियद नेल्लनार 2.0 अभियान भी संचालित किए जा रहे हैं, जिनसे दूरस्थ क्षेत्रों में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर पहुंचकर लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर रही हैं तथा जरूरतमंदों के उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित कर रही हैं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री साय ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया। उन्होंने आयुष्मान कार्ड एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को चाबी सौंपकर लाभान्वित किया। मुख्यमंत्री ने बटन दबाकर ड्रीम कॉरिडोर वीडियो एवं मां अभियान की कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया। इस अवसर पर जिला प्रशासन धमतरी एवं लर्निंग जॉय बेंगलुरु के मध्य एमओयू किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने धमतरीवासियों को कई महत्वपूर्ण सौगातें दीं। उन्होंने अम्बेडकर चौक धमतरी से रूद्री चौक तक फोरलेन सड़क निर्माण, धमतरी में पेयजल हेतु इंटेकवेल निर्माण, रानी दुर्गावती चौक से बिलाईमाता मंदिर तक गौरवपथ निर्माण, कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुरूद भवन के लिए डेढ़ करोड़ रुपये तथा पीएमश्री स्वामी आत्मानंद स्कूल के लिए राशि स्वीकृत करने की घोषणा की।

वाटरशेड योजना बनी किसान छबीलाल की समृद्धि का आधार

रायपुर। संवाददाता

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत संचालित वाटरशेड विकास परियोजनाओं ने छत्तीसगढ़ जैसे राज्य में कई किसानों की किस्मत बदल दी है। ये परियोजनाएं जो वर्षा जल संरक्षण और भूमि की उत्पादकता बढ़ाने पर केंद्रित हैं, छोटे और सीमांत किसानों के लिए समृद्धि का मार्ग बन गई हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में संचालित वाटरशेड विकास योजना आज अनेक परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है। धमतरी जिले के बेलौदी (विकासखंड-मगरलोड) निवासी एक छोटे से कृषक छबी लाल इस योजना के सफल क्रियान्वयन की एक जीवंत और प्रेरणादायक मिसाल बनकर उभरे हैं। पूर्व में छबी लाल सीमित संसाधनों और पारंपरिक खेती पर निर्भर थे। सिंचाई के लिए वर्षा पर निर्भरता और तकनीकी जानकारी के अभाव के कारण उनकी आर्थिक स्थिति चुनौतीपूर्ण बनी रहती थी। वाटरशेड योजना के अंतर्गत आजीविका मद से प्राप्त सहयोग और कृषि विशेषज्ञों के तकनीकी मार्गदर्शन ने उनके जीवन की दिशा बदल दी। उन्होंने अपनी लगभग 1.5 एकड़ भूमि में सब्जी उत्पादन का एक सफल और उन्नत मॉडल विकसित किया। आज वे अपने खेत में निम्नलिखित फसलों की सफल खेती कर रहे हैं, जिनमें सब्जियाँ बरबट्टी, भिंडी, करेला, भाटा (बैंगन) और गिल्की शामिल हैं। जल संरक्षण, नमी संरक्षण और बहुफसली चक्र का समावेश किया है। योजना के तहत मिली प्रोत्साहन राशि और जल प्रबंधन के कार्यों से खेत की उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। छबी लाल अब स्थानीय बाजारों में ताजी सब्जियों की निरंतर आपूर्ति कर रहे हैं, जिससे उन्हें नियमित और अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है। अपनी पारिवारिक आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से पूरा करने के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास और जीवन स्तर में व्यापक सुधार आया है।

सुशासन तिहार में गूंजी सड़क सुरक्षा की शपथ, हेलमेट-सीट बेल्ट पर दुर्ग पुलिस का बड़ा संदेश

रायपुर। एक गलती और पूरा परिवार तबाह। इसी कड़वी सच्चाई के साथ दुर्ग यातायात पुलिस ने सुशासन तिहार के मंच से सड़क सुरक्षा का ऐसा संदेश दिया, जिसने गांव-गांव तक जिम्मेदार ड्राइविंग की चेतावनी पहुंचा दी। ग्राम मर्रा पाटन में आयोजित सुशासन तिहार कार्यक्रम के दौरान यातायात पुलिस दुर्ग ने सड़क हादसों पर रोक लगाने के लिए बड़ा जागरूकता अभियान चलाया, जहां मौजूद ग्रामीणों, युवाओं और वाहन चालकों को ट्रैफिक नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ श्री बजरंग दुबे ने मंच से लोगों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाते हुए साफ कहा कि छोटी लापरवाही भी जिंदगी छीन सकती है।

बिहान योजना से आत्मनिर्भर बन रहीं ग्रामीण महिलाएं

सुशासन तिहार में मिला पांच लाख का सीआईएफ ऋण...

- बकरी पालन एवं साग-सब्जी उत्पादन कर सशक्त हो रहा महिला समूह

रायपुर/संवाददाता

राज्य शासन की महत्वाकांक्षी बिहान योजना ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण का मजबूत माध्यम बनकर उभर रही है। योजना के माध्यम से स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं आज आत्मनिर्भर बनते हुए स्वरोजगार के क्षेत्र में नई पहचान बना रही हैं। सरगुजा जिले के ग्राम बड़ादमाली की जागृति स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष एवं सरस्वती ग्राम संगठन की अध्यक्ष श्रीमती रामरति यादव भी ऐसी ही महिलाओं में शामिल हैं, जिन्होंने बिहान योजना से जुड़कर अपने समूह को नई दिशा दी है। श्रीमती रामरति यादव ने बताया कि सुशासन तिहार में उनके समूह को 5 लाख 40 हजार रुपये का सीआईएफ (कम्युनिटी इन्वेस्टमेंट फंड) ऋण प्राप्त हुआ है। इस राशि का उपयोग समूह की महिलाओं द्वारा बकरी पालन एवं साग-सब्जी उत्पादन जैसे आजीविका मूलक कार्यों में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस योजना से न केवल महिलाओं को आर्थिक सहयोग मिला है, बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ा है। उन्होंने बताया कि बड़ादमाली क्षेत्र में बकरी पालन का कार्य बड़े पैमाने पर किया जा रहा है, जिससे समूह की महिलाओं की आय में निरंतर वृद्धि हो रही है। इसके साथ ही महिलाएं साग-सब्जी उत्पादन कर स्थानीय बाजारों में विक्रय भी कर रही हैं।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से संवरी निशा पटेल की राह

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही एक कल्याणकारी योजना है, जिसका उद्देश्य गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान करना है ताकि वे गर्भावस्था के दौरान अपने और अपने बच्चे के स्वास्थ्य का उचित ध्यान रख सकें। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं के लिए एक वरदान सिद्ध हो रही है। आर्थिक सहायता के साथ-साथ सही पोषण और स्वास्थ्य देखभाल सुनिश्चित करने वाली इस योजना ने बीजापुर जिले की निशा पटेल के जीवन में खुशहाली का नया रंग भरा है। बीजापुर परियोजना के चांदनी चौक आंगनबाड़ी केंद्र की हितग्राही निशा पटेल के गर्भवती होने की जानकारी मिलते ही आंगनबाड़ी स्तर पर उनका पंजीयन किया गया। सेक्टर पर्यवेक्षक गीता कन्नौजे और कार्यकर्ता सरोज नेताम ने न केवल सरकारी औपचारिकताएं पूरी कीं, बल्कि निशा को मातृत्व के हर चरण के लिए तैयार किया। निशा को गर्भावस्था के दौरान आहार विविधता अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। उन्हें आंगनबाड़ी से मिलने वाले रेडी टू ईट पैकेट का बेहतर उपयोग सिखाया गया। पौष्टिक लड्डू, खीर, हलवा, चीला और दलिया जैसे व्यंजनों को दैनिक आहार में शामिल किया गया। नियमित स्वास्थ्य जांच, आयरन-फोलिक एसिड का सेवन और संस्थागत प्रसव के महत्व पर लगातार परामर्श दिया गया। योजना के प्रावधानों के अनुरूप निशा पटेल को दो किश्तों में कुल 5 हजार रूपए की सहायता राशि प्राप्त हुई। प्रथम किश्त के रूप में 3 हजार रूपए गर्भावस्था के प्रारंभिक चरण और शर्तों की पूर्ति पर इस राशि का उपयोग उन्होंने पौष्टिक फल, दूध और दवाओं के लिए किया। द्वितीय किश्त 2 हजार रूपए शिशु के जन्म और प्रथम चक्र के टीकाकरण के बाद सीधे बैंक खाते में हस्तांतरित किया गया। उचित देखरेख और पोषण का ही परिणाम था कि 11 अक्टूबर 2025 को निशा ने एक स्वस्थ शिशु को जन्म दिया, जिसका वजन 3.200 किलोग्राम था। लाभार्थी निशा पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना से मिली आर्थिक मदद और आंगनबाड़ी दीदियों के मार्गदर्शन ने मेरी गर्भावस्था को आसान बना दिया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर वर्षों पुरानी पेयजल समस्या का हुआ समाधान

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के संवेदनशील नेतृत्व और त्वरित प्रशासनिक कार्यशैली के परिणामस्वरूप जशपुर जिले के ग्राम पंचायत सेंदरीमुंडा के वार्ड क्रमांक 7 बैशाखूपारा की वर्षों पुरानी पेयजल समस्या का समाधान हो गया है। हैंडपंप खनन के बाद अब ग्रामीणों को घर के समीप ही स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है, जिससे पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। बैशाखूपारा के निवासियों को लंबे समय से पेयजल के लिए दूरस्थ जलस्रोतों पर निर्भर रहना पड़ता था। विशेष रूप से महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को गर्मी के मौसम में पानी लाने के लिए काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। समस्या के स्थायी समाधान के लिए श्री उमेश यादव, श्री संतोष देहरी एवं अन्य ग्रामवासियों ने मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत कर हैंडपंप खनन की मांग की थी। ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर संबंधित विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बैशाखूपारा में हैंडपंप खनन कार्य पूर्ण कराया। हैंडपंप से पानी निकलते ही ग्रामीणों के चेहरों पर खुशी झलक उठी। अब वार्ड क्रमांक 7 के परिवारों को स्वच्छ पेयजल के लिए दूर नहीं जाना पड़ता, जिससे समय और श्रम दोनों की बचत हो रही है।

ग्रामीण अंचल की बेटी बनी प्रेरणा:मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सराहा उत्कृष्ट प्रदर्शन

- सुशासन तिहार में मेधावी छात्रा कुसुम लता बिप्रे का सम्मान, टैबलेट देकर बढ़ाया उत्साह

रायपुर/ संवाददाता

धमतरी जिले के छोटे से ग्राम कंडेल की बेटी कुमारी कुसुम लता बिप्रे ने अपनी प्रतिभा, मेहनत और दृढ़ संकल्प से पूरे प्रदेश को गौरवान्वित किया है। सीमित संसाधनों के बावजूद कठिन परिश्रम और आत्मविश्वास के बल पर उन्होंने माध्यमिक शिक्षा मंडल की परीक्षा में 97.40 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रदेश की प्रावीण्य सूची में पांचवां स्थान प्राप्त किया। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल धमतरी जिले का गौरव बढ़ाया है, बल्कि ग्रामीण अंचल की बेटियों के लिए प्रेरणा की नई मिसाल भी प्रस्तुत की है। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत धमतरी में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कुसुम लता को मंच पर सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने उन्हें शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया तथा आगे की पढ़ाई और तकनीकी शिक्षा में सहयोग के उद्देश्य से टैबलेट प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश की बेटियां आज शिक्षा, खेल, विज्ञान और प्रशासन सहित हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं और राज्य सरकार उनकी प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों से निकल रही ऐसी प्रतिभाएं विकसित छत्तीसगढ़ की नई पहचान हैं और सरकार प्रत्येक मेधावी विद्यार्थी को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कुसुम लता की सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि यह ग्रामीण शिक्षा व्यवस्था, परिवार के संस्कार और विद्यार्थियों की मेहनत का सकारात्मक परिणाम है। साधारण परिवार से आने वाली कुसुम लता ने यह सिद्ध कर दिया कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मन में आगे बढ़ने का संकल्प हो, तो परिस्थितियां सफलता की राह में बाधा नहीं बन सकतीं। कुसुम लता ने बताया कि उन्होंने नियमित अध्ययन, अनुशासन और परिवार के सहयोग के बल पर यह सफलता हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि से जिले के अन्य विद्यार्थियों में भी शिक्षा के प्रति नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार हुआ है। ग्रामीण अंचल की अनेक बेटियां अब उन्हें अपनी प्रेरणा के रूप में देख रही हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मेधावी छात्र-छात्राएं राज्य की अमूल्य पूंजी हैं। शासन उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, डिजिटल संसाधन और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है।

नक्सल मुक्त बीजापुर में विकास की नई दस्तक

बंद पड़े हाट-बाजारों में लौटी रौनक, आदिवासी अंचलों की अर्थव्यवस्था को मिला नया जीवन

- चार दशकों बाद फिर सजी पुजारी कांकेर और कोण्डापल्ली की साप्ताहिक बाजारें

रायपुर/ संवाददाता

कभी माओवाद के आतंक और भय के कारण वीरान पड़े बीजापुर जिले के सुदूर वनांचल अब विकास, विश्वास और नई उम्मीदों की मिसाल बनते जा रहे हैं। नक्सलवाद से मुक्ति के बाद जिले के अंदरूनी क्षेत्रों में सामान्य जनजीवन तेजी से पटरी पर लौट रहा है। इसका सबसे जीवंत उदाहरण उसूर ब्लॉक के आवापल्ली क्षेत्र अंतर्गत पुजारी कांकेर और कोण्डापल्ली के साप्ताहिक बाजार हैं, जहां लगभग चार दशकों बाद फिर से रौनक लौट आई है। एक समय ऐसा था जब इन क्षेत्रों में भय और असुरक्षा के कारण ग्रामीणों की आवाजाही लगभग बंद हो चुकी थी। माओवाद के प्रभाव के चलते यहां के पारंपरिक साप्ताहिक बाजार पूरी तरह ठप पड़ गए थे। लेकिन अब नक्सल मुक्त वातावरण बनने के बाद बाजारों में फिर से चहल-पहल दिखाई देने लगी है। ग्रामीण, व्यापारी और आदिवासी बड़ी संख्या में यहां पहुंच रहे हैं, जिससे क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिली है। बस्तर की पहचान हैं साप्ताहिक हाट-बाजार- बस्तर अंचल केवल अपनी प्राकृतिक सुंदरता और खनिज संपदा के लिए ही नहीं, बल्कि वनोपज आधारित समृद्ध परंपराओं के लिए भी देशभर में जाना जाता है। यहां के साप्ताहिक हाट-बाजार स्थानीय संस्कृति, सामाजिक जीवन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाते हैं। बीजापुर जिला चारों ओर से घने वनांचलों से घिरा हुआ है, जहां आदिवासी समुदाय का जीवन जंगल और वनोपज पर आधारित है। इमली, महुआ, टोरा, चिरौंजी, तेंदू जैसी बहुमूल्य वनोपज यहां के लोगों की आय का प्रमुख स्रोत हैं। ग्रामीण इन उत्पादों का संग्रहण कर साप्ताहिक बाजारों में विक्रय करते हैं तथा बदले में दैनिक जरूरत की वस्तुएं खरीदते हैं। इन बाजारों का महत्व केवल व्यापार तक सीमित नहीं है।

संपादकीय

पटना में विद्यार्थियों पर लाठी, सवालों पर खामोशी

आखिर क्या वजह है कि विद्यार्थियों के सामने शिक्षक भर्ती को लेकर गुमराह करने का आरोप लगाने की नौबत आई है? यह कोई पहला मौका नहीं है जब किसी आंदोलन या प्रदर्शन को लेकर सरकार का यह रुख सामने आया है। बिहार के पटना में विद्यार्थियों के प्रदर्शन के दौरान राज्य की पुलिस का जैसा रवैया सामने आया है, उसे आम जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों के तहत किसी मसले पर सरकार से विचार की मांग के स्वर का दमन करने की तरह देखा जा सकता है।सवाल है कि अगर नागरिकों के सामने अपनी किसी मांग के लिए आंदोलन या प्रदर्शन करने के अलावा कोई विकल्प नहीं रह जाता है, तो संवाद के जरिए उनकी समस्या का समाधान करने या कोई रास्ता निकालने की कोशिश की जाएगी या उन्हें चुप कराने के लिए सीधे लाठी-डंडे का सहारा लिया जाएगा?हैरानी की बात है कि शिक्षक भर्ती से संबंधित प्रक्रिया में लगातार देरी और टालमटोल से परेशान विद्यार्थियों ने जब पटना में विरोध प्रदर्शन करने की कोशिश की, तो उनकी मांगों पर विचार करने के बजाय उन पर लाठी चार्ज किया गया और महिलाओं को भी नहीं बख्शा गया।अगर उन्हें रोकना भी था, तो पानी की बौछार या कोई अन्य उपाय करने के बजाय बेहरमी से उन पर लाठियां चलाना ही अकेला उपाय क्यों माना गया?राज्य की पुलिस के इस रवैये को क्या किसी भी तरह से प्रदर्शनकारियों के प्रति एक लोकतांत्रिक शासन की प्रतिक्रिया कहा जा सकता है? अगर नागरिकों के किसी हिस्से को सरकार से अपने अधिकार या अन्य मांग करने से इस तरह रोका जाएगा, तो उसमें नागरिक अधिकारों की क्या जगह रह जाएगी?आखिर क्या वजह है कि विद्यार्थियों के सामने शिक्षक भर्ती को लेकर गुमराह करने का आरोप लगाने की नौबत आई है? यह कोई पहला मौका नहीं है जब किसी आंदोलन या प्रदर्शन को लेकर सरकार का यह रुख सामने आया है।इससे पहले भी कई बार विद्यार्थियों और अन्य नागरिक समूहों ने अलग-अलग मुद्दे पर प्रदर्शन किया है, लेकिन उनकी मांगों पर विचार या बातचीत करने के बजाय उन्हें चुप करने और भगाने के लिए लाठी चार्ज का सहारा लिया गया।अफसोसनाक यह है कि बिहार में जो पार्टियां फिलहाल सत्ता में हैं, उन्होंने एक समय जनता की उपेक्षा किए जाने को ही मुद्दा बनाया था। हकीकत यह है कि आंदोलनों या प्रदर्शन के प्रति पिछले कुछ वर्षों से राज्य सरकार का जो रवैया है, उससे लोकतंत्र और नागरिक अधिकारों के लिए जगह सिमट रही है।

रोगियों की मुस्कान और उम्मीद का दूसरा नाम हैं नर्सें

सचमुच नर्सें अस्पतालों की आत्मा होती हैं। चिकित्सक जहां रोग की पहचान और उपचार का मार्ग तय करता है, वहीं नर्स अपने स्पर्श, सेवा, सहानुभूति और निरंतर देखभाल से रोगी को जीने की शक्ति देती है। रोगी जब दर्द, भय, चिंता और असहायता से घिरा होता है, तब नर्स ही उसके चेहरे पर विश्वास की मुस्कान बनकर सामने आती है। वह केवल इंजेक्शन लगाने, दवाइयां देने या रिपोर्ट संभालने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह रोगी के मनोबल की संरक्षक होती है। वह अपने व्यवहार, शब्दों और संवेदनाओं से रोगी को यह विश्वास दिलाती है कि वह अकेला नहीं है। यही कारण है कि दुनिया भर में नर्सों को धरती के फरिश्ते कहा जाता है। मानवीय सेवा का सबसे जीवंत और प्रभावशाली स्वरूप यदि कहीं दिखाई देता है तो वह नर्सिंग सेवा में दिखाई देता है। एक नर्स रोगी की पीड़ा को केवल देखती नहीं, बल्कि उसे महसूस भी करती है। वह रात-रात भर जागकर मरीजों की देखभाल करती है, उनके दर्द की भाषा समझती है, उनकी छोटी-छोटी जरूरतों का ध्यान रखती है और कई बार अपने परिवार, अपने स्वास्थ्य और अपनी खुशियों की कीमत पर भी रोगियों की सेवा करती है।

(ललित गर्ग)

सचमुच नर्सें अस्पतालों की आत्मा होती हैं। चिकित्सक जहां रोग की पहचान और उपचार का मार्ग तय करता है, वहीं नर्स अपने स्पर्श, सेवा, सहानुभूति और निरंतर देखभाल से रोगी को जीने की शक्ति देती है। रोगी जब दर्द, भय, चिंता और असहायता से घिरा होता है, तब नर्स ही उसके चेहरे पर विश्वास की मुस्कान बनकर सामने आती है।

हर वर्ष 12 मई को पूरी दुनिया अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस मनाती है। यह दिन आधुनिक नर्सिंग सेवा की जननी मानी जाने वाली फ्लोरेंस नाइटिंगेल की जयंती के रूप में मनाया जाता है। यह दिवस उन अनगिनत संवेदनशील हाथों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है, जो दिन-रात रोगियों के दर्द को कम करने, उन्हें जीवन का भरोसा देने और मृत्यु से संघर्ष कर रहे व्यक्ति के भीतर आशा का दीप जलाने का कार्य करते हैं। दुनिया में नर्सों की सेवा सर्वाधिक महत्वपूर्ण है, हर दिन, नर्से शांत शक्ति, स्थिर हाथों और करुणा से भरे दिलों के साथ अस्पतालों, क्लीनिकों और विभिन्न सामुदायिक स्थानों पर कदम रखते हुए रोगियों के लिये देवदूत बनती हैं। नर्से भगवान का रूप होती है, वे ही इंसान के जन्म की पहली साक्षी बनती है और उनमें करुणा का बीज बोती है। एक रोगी को स्वस्थ करने में वे अपना सब कुछ दे देती हैं। रोगी की सेवा करते हुए वे अपना पारिवारिक सुख, करियर, जीवन और वर्तमान सबकुछ झोंक देती हैं। वर्ष 2026 की थीम हमारी नर्सें, हमारा भविष्य- सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं पूरी दुनिया को यह संदेश देती है कि यदि स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाना है तो नर्सों को सम्मान, सुरक्षा, संसाधन और सशक्त वातावरण देना होगा। यह दिवस 1965 से इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ नर्सेज द्वारा शुरू हुआ है, बहुत से लोग इस दिन का उपयोग अपने देश एवं दुनिया में नर्सों द्वारा किए गए अद्भुत सेवा कार्यो का सम्मान करने के लिए करते हैं।

सचमुच नर्सें अस्पतालों की आत्मा होती हैं। चिकित्सक जहां रोग की पहचान और उपचार का मार्ग तय करता है, वहीं नर्स अपने स्पर्श, सेवा, सहानुभूति और निरंतर देखभाल से रोगी को जीने की शक्ति देती है। रोगी जब दर्द, भय, चिंता और असहायता से घिरा होता है, तब नर्स ही उसके चेहरे पर विश्वास की मुस्कान बनकर सामने आती है। वह केवल इंजेक्शन लगाने, दवाइयां देने या रिपोर्ट संभालने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह रोगी के मनोबल की संरक्षक होती है। वह अपने व्यवहार, शब्दों और संवेदनाओं से रोगी को यह विश्वास दिलाती है कि वह अकेला नहीं है। यही कारण है कि दुनिया भर में नर्सों को धरती के फरिश्ते कहा जाता है। मानवीय सेवा का सबसे जीवंत और प्रभावशाली स्वरूप यदि कहीं दिखाई देता है तो वह नर्सिंग सेवा में दिखाई देता है। एक नर्स रोगी की पीड़ा को केवल देखती नहीं, बल्कि उसे महसूस भी करती है। वह रात-रात भर जागकर मरीजों की देखभाल करती है, उनके दर्द की भाषा समझती है, उनकी छोटी-छोटी जरूरतों का ध्यान रखती है और कई बार अपने परिवार, अपने स्वास्थ्य और अपनी खुशियों की कीमत पर भी रोगियों की सेवा करती है। कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी के समय पूरी दुनिया ने देखा कि जब लोग अपने ही परिजनों से दूरी बना रहे थे, तब नर्सें संक्रमित मरीजों के सबसे निकट खड़ी थीं। उन्होंने मृत्यु के भय को पीछे छोड़कर जीवन की रक्षा का संकल्प निभाया। उस दौर ने यह सिद्ध कर दिया कि नर्सें केवल

स्वास्थ्यकर्मी नहीं, बल्कि मानवता की सबसे मजबूत प्रहरी हैं।

नर्सिंग सेवा केवल पेशा नहीं, बल्कि करुणा, धैर्य और त्याग की साधना है। एक नर्स उस समय भी मुस्कुराती रहती है जब वह स्वयं मानसिक और शारीरिक थकान से गुजर रही होती है। वह रोगियों के बीच आशा का वातावरण बनाती है। कई बार ऐसे मरीज, जो मानसिक रूप से टूट चुके होते हैं, नर्सों की आत्मीयता और प्रेरणा से पुनः जीवन के प्रति सकारात्मक हो जाते हैं। चिकित्सा विज्ञान में दवाइयों की अपनी भूमिका है, लेकिन संवेदनशील देखभाल और मानसिक संबल रोगी के उपचार को अधिक प्रभावी बनाते हैं। यही कारण है कि कहा जाता है कि नर्स का स्पर्श भी एक औषधि है। आज जब दुनिया आधुनिक तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में प्रवेश कर चुकी है, तब भी नर्सिंग सेवा की आवश्यकता और महत्ता कम नहीं हुई, बल्कि और अधिक बढ़ी है। मशीनें रोग का परीक्षण कर सकती हैं, लेकिन वे रोगी की आंखों में छिपे भय को नहीं पढ़ सकतीं। तकनीक इलाज का माध्यम बन सकती है, लेकिन वह करुणा का विकल्प नहीं बन सकती। नर्सों की सबसे बड़ी शक्ति उनकी संवेदनशीलता है, जो उन्हें अन्य सभी स्वास्थ्य सेवाओं से अलग पहचान देती है। इसी कारण आज भी नर्सिंग दुनिया का सबसे अधिक अपेक्षित और सम्मानित स्वास्थ्य पेशा माना जाता है।

विश्व स्वास्थ्य व्यवस्था के सामने आज सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक प्रशिक्षित नर्सों की कमी है। विकसित देशों में बेहतर वेतन और सुविधाओं के कारण विकासशील देशों की अनेक प्रतिभाशाली नर्सें विदेशों की ओर आकर्षित हो रही हैं। परिणामस्वरूप गरीब और विकासशील देशों की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। विश्व स्तर पर नर्सों की बढ़ती आवश्यकता यह संकेत देती है कि आने वाले समय में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता नर्सों की उपलब्धता और दक्षता पर ही निर्भर करेगी। इसलिए यह समय नर्सों को केवल सेवक के रूप में देखने का नहीं, बल्कि उन्हें स्वास्थ्य व्यवस्था के निर्णायक स्तंभ के रूप में स्वीकार करने का है। भारत जैसे विशाल देश में नर्सिंग सेवा को अधिक सशक्त, सम्मानजनक और सुरक्षित बनाने की अत्यंत आवश्यकता है। नर्सों के लिए बेहतर वेतनमान, सुरक्षित कार्य-परिस्थितियां, पर्याप्त अवकाश, मानसिक स्वास्थ्य सहयोग, कौशल विकास और नेतृत्व के अवसर सुनिश्चित किये जाने चाहिए। निजी और सरकारी अस्पतालों को मिलकर ऐसा वातावरण बनाना होगा जहां नर्सें सम्मान और आत्मविश्वास के साथ कार्य कर सकें। यदि नर्सें स्वयं तनाव, असुरक्षा और उपेक्षा से घिरी रहेंगी, तो स्वास्थ्य सेवाओं की मानवीय गुणवत्ता प्रभावित होगी। इसलिए नर्सों का कल्याण केवल उनका व्यक्तिगत प्रश्न नहीं, बल्कि पूरी मानवता के स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ विषय है।

अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस की 2026 की थीम भी इसी सोच को आगे बढ़ाती है कि सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं। जब नर्सों को प्रशिक्षण, संसाधन, निर्णय लेने का अधिकार और सामाजिक सम्मान मिलेगा, तभी वे अपनी पूरी क्षमता के साथ समाज को स्वस्थ बना सकेंगी। यह दिवस हमें केवल नर्सों का सम्मान करने की प्रेरणा नहीं देता, बल्कि यह भी याद दिलाता है कि नर्सों के बिना कोई भी स्वास्थ्य व्यवस्था पूर्ण नहीं हो सकती। अस्पतालों की वास्तविक धड़कन नर्से ही हैं। रोगियों की आंखों में लौटती चमक, परिवारों के चेहरे पर आती राहत और स्वस्थ जीवन की ओर लौटते कदमों में नर्सों की निःस्वार्थ सेवा का मौन योगदान छिपा होता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि समाज नर्सों को केवल एक कर्मचारी के रूप में न देखे, बल्कि उन्हें मानवता के संवेदनशील रक्षकों के रूप में पहचाने। बच्चों के जन्म से लेकर जीवन की अंतिम सांस तक नर्सें हर महत्वपूर्ण क्षण में हमारे साथ खड़ी रहती हैं। वे दर्द को कम करती हैं, टूटे मन को संभालती हैं और निराशा में उम्मीद का प्रकाश जगाती हैं। सच तो यह है कि नर्सें केवल शरीर का उपचार नहीं करतीं, वे मनुष्य के भीतर जीने की इच्छा को भी जीवित रखती हैं।

आम दिन हो या महामारियों के खिलाफ जंग, ये नर्स बिना किसी डर के सहजता और उत्साह से अपने कर्तव्य का पालन करती है। इसलिए नहीं कि यह उनका काम है और उसके लिए उन्हें पैसे मिलते हैं बल्कि इसलिए कि वह सबसे पहले दूसरों के स्वस्थ होने और उनकी जान की फिक्र करती है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में मां के स्वरूप में स्नेहपूर्ण और फिक्र के साथ हर किसी की देखभाल और परवाह करने के शब्द को ही नर्स कहा जाता है। वे अस्पताल की रीढ़ होती है। ऐसी मानवीय सेवा की अद्भुत फरिश्तों के कल्याण एवं प्रोत्साहन का चिन्तन अपेक्षित है। उससे निश्चित ही नर्सों की सेवाएं अधिक सक्षम, प्रभावी एवं मानवीय होकर सामने आयेगी। इस अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस पर यही संकल्प अपेक्षित है कि हम नर्सों की सेवाओं को अधिक सम्मान, सुरक्षा और सहयोग प्रदान करें। उनके कल्याण, प्रोत्साहन और सशक्तिकरण का व्यापक चिंतन हो। जब नर्सों का जीवन अधिक सुरक्षित, संतुलित और सम्मानपूर्ण होगा, तब उनकी सेवाएं और अधिक प्रभावी, संवेदनशील और मानवीय बन सकेंगी। यही इस दिवस का वास्तविक उद्देश्य और मानवता के प्रति हमारी सच्ची संवेदनशीलता होगी।लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

दक्षिण से बंगाल तक विपक्ष की जमीन क्यों खिसक रही है? विंध्य के पार का किला और दलों की चुनौती

(पी. चिदंबरम)

पश्चिम बंगाल में मतदाता अधिकारों और एसआईआर प्रक्रिया ने लोकतंत्र पर गंभीर सवाल खड़े किए। भाजपा अब देश के बड़े हिस्से में लगभग निर्णायक राजनीतिक शक्ति बन चुकी है इन चुनावों पर एक ही दृष्टिकोण से बात करना संभव नहीं है। हर राज्य में एक अलग विमर्श उभरकर सामने आया है।विपक्षी गठबंधन के घटकों के बीच मूलभूत मतभेद हैं, लेकिन इन मतभेदों को राज्य स्तर तक ही सीमित रखना चाहिए और राष्ट्रीय स्तर पर एकता स्थापित करनी चाहिए।

चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में हाल में हुए विधानसभा चुनावों के नतीजों से तीन राज्यों- केरलम, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में नाटकीय बदलाव हुए हैं। जबकि असम और पुडुचेरी में मतदाताओं ने यथास्थिति बरकरार रखने के पक्ष में मतदान किया। इन चुनावों पर एक ही दृष्टिकोण से बात करना संभव नहीं है। हर राज्य में एक अलग विमर्श उभरकर सामने आया है। केरलम का परिदृश्य सीधा एवं स्पष्ट है। यहां कई दशकों से संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा यानी यूडीएफ और वाम लोकतांत्रिक मोर्चा यानी एलडीएफ बारी-बारी से राज्य की सत्ता में रहे हैं। यह सिलसिला वर्ष 2021 में तब टूटा, जब पिनराई विजयन के नेतृत्व में एलडीएफ दूसरी बार सत्ता में आई। कांग्रेस ने नया नेतृत्व (पीसीसी और सीएलपी) स्थापित किया और पिछले पांच वर्षों में पार्टी ने नए जोश के साथ सच्चे विपक्ष के रूप में काम किया है। इसका परिणाम स्पष्ट नजर आ रहा है। अब यूडीएफ की जिम्मेदारी है कि वह अपने शासन से ऐसे परिणाम दें, जो गठबंधन सहयोगियों को एकजुट रखे तथा धर्मनिरपेक्षता, आर्थिक प्रगति, समृद्धि और संवाद को आगे बढ़ाए।

अप्रत्याशित परिणाम- तमिलनाडु की कहानी जटिल है। यहां कांग्रेस और अन्य धर्मनिरपेक्ष दलों के समर्थन से द्रमुक वर्ष 2021 में भारी बहुमत के साथ सत्ता में आई। उसने निस्संदेह दो मोर्चों पर बेहतरीन प्रदर्शन किया- आर्थिक विकास और कल्याणकारी योजनाओं को लागू करना। मगर जाहिर तौर पर मतदाताओं को प्रभावित करने वाले अन्य कारक भी थे। इनमें से एक अज्ञात कारक था अभिनेता जोसेफ विजय का चुनाव में उतरना, जिनके प्रशंसकों की संख्या, खासकर युवाओं और महिलाओं की बहुत अधिक है। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही एक नई राजनीतिक हवा चलनी शुरू हो गई, मतदान की तारीख से ठीक पहले आखिरी दस दिनों में यह हवा तेज होकर तूफान में बदल गई, इसने 108 निर्वाचन क्षेत्रों को प्रभावित किया, लेकिन इससे आगे नहीं बढ़ पाई।

दो साल पुरानी राजनीतिक पार्टी (टीवीके) के लिए यह एक शानदार शुरुआत थी। इसके अधिकांश उम्मीदवार अनजान चेहरे थे और कुछ ही लोगों ने प्रचार किया। हर जगह उम्मीदवार 'विजय' ही थे। विजय के कुछ छोटे भाषण, वीडियो संदेश और कई फिल्मी गाने ही 'चुनाव प्रचार' का आधार बने। इस चुनाव में टीवीके साधारण बहुमत से 11 सीट पीछे रह गई, लेकिन राष्ट्रपति शासन और दोबारा चुनाव से बचने के लिए, कांग्रेस (5), सीपीआइ (2), माकपा (2) और वीसीके (2) ने टीवीके को समर्थन देने का फैसला किया है।

पश्चिम बंगाल की कहानी सबसे महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें देश की राजनीति की दिशा बदलने की क्षमता है। यहां धर्मनिरपेक्ष दल- कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और माकपा ने पिछले दस वर्षों में मजबूत हुई भाजपा के खिलाफ अलग-अलग चुनाव लड़े। इसके अलावा, पश्चिम बंगाल में एसआइआर ने बड़ी संख्या में मतदाताओं को मतदान से वंचित कर दिया और लोकतंत्र पर गहरा आघात हुआ। ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां बेटा या बेटी मतदाता थे, लेकिन पिता या माता नहीं थे। परिवार मतदाता और गैर-मतदाता में बंट गए थे। न्यायपालिका और अस्थायी न्यायिक उपायों ने लाखों मतदाताओं को निराश किया तथा हजारों लोगों को मताधिकार से वंचित कर दिया गया। एसआइआर के अलावा तीन कार्यकाल का बोझ भी तृणमूल कांग्रेस के लिए भारी साबित हुआ।

भाजपा का दबदबा- तृणमूल कांग्रेस की पराजय गंभीर घटनाक्रमों का संकेत देती है- भाजपा अब अकेले या गठबंधन सरकारों के माध्यम से पश्चिमी राज्यों (महाराष्ट्र, गुजरात और गोवा), हिंदी पट्टी के अधिकांश हिस्सों (हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड को छोड़कर), पूर्वी राज्यों और पूर्वोत्तर में शासन कर रही है। प्रतीकात्मक रूप से कहा जाए तो विंध्य पर्वतमाला भाजपा के लिए दक्षिण भारत के पांच राज्यों में प्रवेश के रास्ते में बाधा बनी हुई है। केरलम और तमिलनाडु में प्रवेश करने के उसके अथक प्रयासों को मतदाताओं ने पूरी तरह से नकार दिया (जिसके परिणामस्वरूप भाजपा को क्रमशः तीन और एक सीटें मिलीं)। हालांकि, शेष भारत पर उसका नियंत्रण लगभग पूर्ण हो चुका है। वर्ष 2024 में लोकसभा में केवल 240 सीटें जीतने के बावजूद भाजपा ने संसद में कई विवादास्पद विधेयक पारित किए हैं-

वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025

जम्मू-कश्मीर स्थानीय निकाय (संशोधन) अधिनियम, 2025

कराधान कानून (संशोधन) अधिनियम, 2025 राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम, 2025 अन्य विवादास्पद विधेयक भी आने वाले हैं, जिनमें लोकतंत्र विरोधी 'एक राष्ट्र एक चुनाव' विधेयक भी शामिल है। बहुमत न होने के बावजूद भाजपा ने संसद में विवादास्पद संविधान (131वां संशोधन) विधेयक पेश किया, जिसका उद्देश्य सितंबर 2023 में पारित महिला आरक्षण विधेयक को निरस्त करके पुनः लागू करना था।

वैश्विक संकट के बीच सबसे बड़े कूटनीतिक मिशन पर निकल रहे हैं मोदी

वैश्विक चुनौतियों, बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों, ऊर्जा संकट, आपूर्ति श्रृंखला की अनिश्चितताओं और तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बीच भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर बड़े कूटनीतिक मिशन पर निकल रहे हैं। 15 मई से 20 मई तक प्रस्तावित उनकी बहुराष्ट्रीय विदेश यात्रा के दौरान वह संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली का दौरा करेंगे। यह यात्रा भारत की वैश्विक रणनीति, आर्थिक हितों और सामरिक साझेदारियों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। इस दौरान ऊर्जा सहयोग, व्यापार, हरित प्रौद्योगिकी, रक्षा, निवेश, नवाचार और वैश्विक सुरक्षा जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी, जिससे भारत की अंतरराष्ट्रीय भूमिका और अधिक मजबूत होने की संभावना है।

(नीरज कुमार दुबे)

भारत अपने पारंपरिक मित्र देशों के साथ केवल व्यापारिक संबंधों तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि वह प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा, रक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, समुद्री सुरक्षा और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला जैसे क्षेत्रों में दीर्घकालिक रणनीतिक सहयोग को भी विस्तार देना चाहता है।

वैश्विक चुनौतियों, बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों, ऊर्जा संकट, आपूर्ति श्रृंखला की अनिश्चितताओं और तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बीच भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर बड़े कूटनीतिक मिशन पर निकल रहे हैं। 15 मई से 20 मई तक प्रस्तावित उनकी बहुराष्ट्रीय विदेश यात्रा के दौरान वह संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली का दौरा करेंगे। यह यात्रा भारत की वैश्विक रणनीति, आर्थिक हितों और सामरिक साझेदारियों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। इस दौरान ऊर्जा सहयोग, व्यापार, हरित प्रौद्योगिकी, रक्षा, निवेश, नवाचार और वैश्विक सुरक्षा जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी, जिससे भारत की अंतरराष्ट्रीय भूमिका और अधिक मजबूत होने की संभावना है। इस यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि भारत अपने पारंपरिक मित्र देशों के साथ केवल व्यापारिक संबंधों तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि वह प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा, रक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, समुद्री सुरक्षा और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला जैसे क्षेत्रों में दीर्घकालिक रणनीतिक सहयोग को भी विस्तार देना चाहता है। हाल के वर्षों में भारत ने विश्व मंच पर एक भरोसेमंद और संतुलित शक्ति के रूप में अपनी पहचान बनाई है। यही कारण है कि यूरोप और पश्चिम एशिया के देश भारत को भविष्य के आर्थिक और सामरिक साझेदार के रूप में देख रहे हैं।

हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी अपनी यात्रा की शुरुआत संयुक्त अरब अमीरात से करेंगे, जहां वह राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नहयान से मुलाकात करेंगे। दोनों देशों के बीच ऊर्जा सहयोग, निवेश, डिजिटल भुगतान, रक्षा और भारतीय समुदाय के कल्याण जैसे विषयों पर चर्चा होने की संभावना है। भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत हुई है। संयुक्त अरब अमीरात भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है तथा बीते पच्चीस वर्षों में भारत में निवेश करने वाले प्रमुख देशों में शामिल है। दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते ने व्यापार को नई गति दी है। ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में भी संयुक्त अरब अमीरात भारत का महत्वपूर्ण सहयोगी है। इसके अलावा भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा दोनों देशों की सामरिक निकटता को और अधिक मजबूत बना रहा है। वहां रह रहे लाखों भारतीय दोनों देशों के सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों की मजबूत कड़ी हैं।

संयुक्त अरब अमीरात के बाद प्रधानमंत्री नीदरलैंड जाएंगे। यह यात्रा भारत और नीदरलैंड के बीच बढ़ते आर्थिक तथा प्रौद्योगिकी सहयोग को नई दिशा देगी। प्रधानमंत्री वहां के राजा विलेम अलेक्जेंडर, महारानी मैक्सिमा और प्रधानमंत्री रोब येटन से मुलाकात करेंगे। दोनों देशों के बीच रक्षा, सुरक्षा, हरित हाइड्रोजन, जल प्रबंधन, सेमीकंडक्टर और नवाचार जैसे क्षेत्रों में तेजी से सहयोग बढ़ रहा है। नीदरलैंड यूरोप में भारत का प्रमुख व्यापारिक साझेदार है और भारत में बड़े निवेशकों में शामिल है। जल प्रबंधन और कृषि प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नीदरलैंड की विशेषज्ञता भारत के लिए अत्यंत उपयोगी मानी जाती है। दोनों देश मुक्त और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के समर्थन में भी एक समान दृष्टिकोण रखते हैं।

मोदी की स्वीडन की यात्रा भारत और नॉर्डिक देशों के साथ बढ़ते सहयोग को और मजबूत बनाएगी। प्रधानमंत्री गोथेनबर्ग में स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन से वार्ता करेंगे। दोनों देशों के बीच व्यापार, हरित परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उभरती प्रौद्योगिकी, रक्षा, अंतरिक्ष और जलवायु कार्रवाई जैसे क्षेत्रों में व्यापक सहयोग की संभावनाएं हैं। हम आपको बता दें कि स्वीडन की अनेक प्रमुख कंपनियां भारत में सक्रिय हैं और दोनों देशों के बीच नवाचार आधारित साझेदारी तेजी से विकसित हो रही है। भारत और स्वीडन लोकतांत्रिक मूल्यों, सतत विकास और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में समान सोच रखते हैं। हरित औद्योगिक परिवर्तन और जलवायु संरक्षण के लिए दोनों देशों का सहयोग वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी इसके बाद नॉर्वे जाएंगे, जहां वह तीसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की नॉर्वे की पहली यात्रा होगी और पिछले तैंतालीस वर्षों में भारत से वहां होने वाली पहली प्रधानमंत्री स्तरीय यात्रा भी मानी जा रही है। नॉर्वे के प्रधानमंत्री योनास गार स्तोरे के साथ होने वाली वार्ता में व्यापार, निवेश, हरित प्रौद्योगिकी और समुद्री अर्थव्यवस्था पर विशेष जोर रहेगा। भारत और नॉर्वे के संबंध समुद्री सहयोग, हरित ऊर्जा और सतत विकास पर आधारित हैं। भारत-यूरोपीय मुक्त व्यापार समझौते के बाद दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को नई गति मिलने की संभावना है। नॉर्वे का विशाल पेंशन कोष भारतीय पूंजी बाजार में महत्वपूर्ण निवेश कर चुका है। आर्कटिक क्षेत्र, हरित जहाजरानी और समुद्री संसाधनों के प्रबंधन में दोनों देशों का सहयोग भविष्य की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन इस यात्रा का एक और महत्वपूर्ण पक्ष होगा। इसमें नॉर्वे, स्वीडन, डेनमार्क, फिनलैंड और आइसलैंड के शीर्ष नेता शामिल होंगे। यह मंच भारत और नॉर्डिक देशों के बीच प्रौद्योगिकी, नवाचार, नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा, अंतरिक्ष, सतत विकास और समुद्री अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई रणनीतिक दिशा देगा। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने और हरित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में यह सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। यात्रा के अंतिम चरण में प्रधानमंत्री इटली जाएंगे। प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और राष्ट्रपति सर्जियो मातारेला के साथ उनकी बैठकें भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेंगी। दोनों देश 2025 से 2029 तक की संयुक्त रणनीतिक कार्ययोजना पर तेजी से काम कर रहे हैं। व्यापार, रक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और औद्योगिक सहयोग इसके प्रमुख क्षेत्र हैं। इटली ने चीन की बेल्ट एंड रोड पहल से अलग होकर भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे को समर्थन दिया है, जिससे दोनों देशों की सामरिक निकटता बढ़ी है। रक्षा क्षेत्र में सह-विकास और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर जोर दिया जा रहा है। इटली भारत के संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के प्रयासों का भी समर्थन करता रहा है। वहां रह रहा भारतीय समुदाय दोनों देशों के संबंधों को सामाजिक और सांस्कृतिक मजबूती प्रदान करता है। इस प्रकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह विदेश यात्रा केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत की बदलती वैश्विक भूमिका का प्रतीक भी है। यह यात्रा भारत को ऊर्जा सुरक्षा, प्रौद्योगिकी सहयोग, हरित विकास, रक्षा साझेदारी और वैश्विक व्यापार के नए अवसर प्रदान करेगी। साथ ही यह संदेश भी देगी कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत विश्व राजनीति और अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख और विश्वसनीय केंद्र बनकर उभर रहा है।

पालतू पशुओं के लिए ग्रामीणों ने खुद बनाया तालाब अब सिंचाई और निस्तारी में भी मिलेगा लाभ

कोंटा। कोंटा ब्लॉक अंतर्गत पंचायत गोलापल्ली के आश्रित ग्राम रामपुरम में ग्रामीणों ने पालतू पशुओं के लिए पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने सामूहिक प्रयास से तालाब निर्माण कराया है। गांव में लंबे समय से मवेशियों के लिए पानी की समस्या बनी हुई थी। ग्रामीणों का कहना है कि इस समस्या के समाधान के लिए जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभागीय कर्मचारियों से कई बार मांग की गई, लेकिन हर बार कार्य तत्काल स्वीकृत नहीं हो सकता कहकर मामला टाल दिया गया। ग्रामीणों ने बताया कि प्रशासनिक स्तर पर कोई ठोस पहल नहीं होने के बाद गांव के लोगों ने आर्थिक मदद और चंदा एकत्रित कर तालाब निर्माण का निर्णय लिया। गांव के लगभग 30 परिवारों ने प्रति घर 15 हजार रुपये का सहयोग दिया। इसके अलावा श्रमदान के माध्यम से डोजर वाहन से करीब 700 घंटे तक कार्य कराया गया, जिसमें लगभग साढ़े पांच लाख रुपये खर्च हुए। ग्रामीणों ने अपनी मेहनत और आपसी सहयोग से तालाब निर्माण पूरा कर पशुओं के लिए स्थायी जल व्यवस्था सुनिश्चित की।

ग्रामीणों के अनुसार इस समस्या को लेकर जिला प्रशासन से भी गुहार लगाई गई थी और कलेक्टर कार्यालय तक पहुंचे थे, लेकिन वहां से केवल आश्वासन ही मिला। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते प्रशासन पहल करता तो उन्हें स्वयं लाखों रुपये खर्च कर तालाब निर्माण नहीं कराना पड़ता। ग्रामीणों ने कहा कि सरकारी विकास और जनकल्याण के दावों के बीच रामपुरम का यह उदाहरण गांव की मजबूरी के साथ-साथ आत्मनिर्भरता की मिसाल भी है।

यदि गांव के लोग एकजुट नहीं होते तो आज भी पशु पानी के लिए भटकते रहते। प्रशासन की अनदेखी के कारण ग्रामीणों को लाखों रुपये खर्च करने पड़े। यह तालाब केवल जलस्रोत नहीं, बल्कि गांव की एकता और आत्मनिर्भरता की पहचान है। अब इससे पशुओं के साथ किसानों और पूरे गांव को लंबे समय तक लाभ मिलेगा।

– सोडी दिनेश ग्रामीण

ग्रामीणों ने बताया कि यह तालाब केवल पालतू पशुओं की पेयजल व्यवस्था तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि तालाब के नीचे स्थित खेतों को भी सिंचाई सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही गर्मी के दिनों में ग्रामीणों के निस्तारी, स्नान और अन्य दैनिक उपयोग में भी यह तालाब काम आएगा। ग्रामीणों का कहना है कि सामूहिक सहयोग से बना यह तालाब गांव के लिए बहुउपयोगी जलस्रोत के रूप में लंबे समय तक लाभ पहुंचाएगा। हमने कई बार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से गांव में तालाब निर्माण की मांग की, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन मिला। आखिरकार मजबूर होकर ग्रामीणों ने खुद पैसा जुटाया और श्रमदान कर तालाब बनाया। सरकार विकास के बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन जमीन पर ग्रामीणों को अपनी मूलभूत जरूरतों के लिए भी खुद संघर्ष करना पड़ रहा है।

– बारसे पांडू ग्रामीण

आदर्श आचार संहिता का पालन कराने एमसीसी समिति का गठन

कांकेर। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आदर्श आचार संहिता का पालन सुनिश्चित कराने के लिए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर द्वारा एमसीसी समिति का गठन किया गया है। जनपद पंचायत कांकेर के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कांकेर की अध्यक्षता में मुख्य कार्यपालन जनपद पंचायत कांकेर, कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग कांकेर, कार्यपालन अभियंता छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल कांकेर, तहसीलदार कांकेर, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कांकेर, थाना प्रभारी कांकेर, प्रभारी अधिकारी एवं संबंधित विभाग को शामिल करते हुए एमसीसी समिति का गठन किया गया है। इसी प्रकार जनपद पंचायत चारामा में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व चारामा को अध्यक्षता में समिति गठित की गई है, जिसमें मुख्य कार्यपालन जनपद पंचायत चारामा, अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग चारामा, अनुविभागीय अधिकारी छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल चारामा, तहसीलदार चारामा, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कांकेर, थाना प्रभारी चारामा, प्रभारी अधिकारी एवं संबंधित विभाग तथा नगर पंचायत चारामा के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व चारामा की अध्यक्षता में मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर पंचायत चारामा, अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग चारामा, अनुविभागीय अधिकारी छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल चारामा, तहसीलदार चारामा, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कांकेर, थाना प्रभारी चारामा, प्रभारी अधिकारी एवं संबंधित विभाग को एमसीसी समिति का सदस्य बनाया गया है।

सीबीएसई कक्षा 12वीं परीक्षा परिणाम में सफलता के नए आयाम स्थापित किए

दल्लीराजहरा। स्थानीय डीएवी इस्पात सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल, दल्लीराजहरा ने एक बार फिर उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन करते हुए सीबीएसई कक्षा 12वीं परीक्षा परिणाम में सफलता के नए आयाम स्थापित किए हैं। विद्यालय का क्वालिटी परफॉर्मेंस इंडेक्स 71.2 प्रतिशत रहा, वहीं छात्र मास्टर मानस अग्रवाल ने 93.2 प्रतिशत अंक अर्जित कर नगर में प्रथम स्थान प्राप्त किया। विद्यालय से इस वर्ष कुल 71 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जिनमें 45 छात्र-छात्राएं विज्ञान संकाय तथा 26 विद्यार्थी वाणिज्य संकाय से शामिल हुए। परीक्षा परिणाम में 68 विद्यार्थी सफल घोषित हुए, जबकि 3 विद्यार्थियों को पूरक श्रेणी में रखा गया। विशेष बात यह रही कि विद्यालय का कोई भी विद्यार्थी अनुत्तीर्ण नहीं हुआ। विद्यालय के टॉप-5 विद्यार्थियों में मानस अग्रवाल ने 93.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पहला स्थान हासिल किया। इसके अलावा परिणया हासिनी ने 85.6 प्रतिशत, आदित्य कुमार पात्र ने 85.4 प्रतिशत, रिशिता सिंह ने 85 प्रतिशत तथा लब्धि जैन ने 84.06 प्रतिशत अंक अर्जित कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। विद्यालय के परिणामों में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त किए। कुल विद्यार्थियों में कई छात्रों ने 80 प्रतिशत से अधिक, 75 प्रतिशत से अधिक तथा 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर बेहतर प्रदर्शन किया। इस शानदार उपलब्धि पर विद्यालय के प्राचार्य जी.वी. राजशेखर राव ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय परिवार इस परिणाम से अत्यंत उत्साहित है तथा भविष्य में गुणवत्ता और बेहतर करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा। विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष आर.बी. गहरवार एवं डीएवी संस्था के क्षेत्रीय निदेशक प्रशांत कुमार ने विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं विद्यालय परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

ज्ञान भारतम पहल में छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक धरोहर को मिली पहचान

नारायणपुर। भारत सरकार की ज्ञान भारतम पहल के अंतर्गत 16 मार्च को देशभर में स्थित पांडुलिपियों की पहचान एवं दस्तावेजीकरण के लिए ज्ञान भारतम राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण आयोजित किया गया। इस अभियान का उद्देश्य देश में उपलब्ध प्राचीन पांडुलिपियों का मानचित्रण कर उनके संरक्षण, अनुसंधान एवं डिजिटलीकरण के लिए मजबूत आधार तैयार करना है। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के ग्राम कोलर में संरक्षित दुर्लभ ताड़ पत्र पुराणों ने विशेष ध्यान आकर्षित किया है। स्वतंत्रता सेनानी परिवार द्वारा वर्षों से सुरक्षित रखी गई ये पांडुलिपियां प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और स्थानीय ज्ञान परंपरा की महत्वपूर्ण धरोहर मानी जा रही हैं। इन दुर्लभ ग्रंथों के संरक्षण में योगदान देने वाले स्वतंत्रता सेनानी चिंतु देहारी के पोते दलवत देहारी को 16 मई 2026 को जिला कार्यालय के सभा कक्ष में सम्मानित किया गया। कलेक्टर नम्रता जैन के मार्गदर्शन में अपर कलेक्टर बीरेंद्र बहादुर पंचभाई द्वारा उन्हें शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। संरक्षित प्रमुख ताड़ पत्र पुराणों में नामरत्न गीता, देवी भागवत, कौंगा बोली, लक्ष्मी पुराण, कृपा सिंधु तथा पांजी संगनेठी भागवत पुराण शामिल हैं। इन ग्रंथों में धार्मिक विषयों के साथ-साथ उस समय की सामाजिक, सांस्कृतिक और भाषाई परंपराओं की झलक भी देखने को मिलती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन पांडुलिपियों का संरक्षण और अध्ययन छत्तीसगढ़ के इतिहास, आदिवासी समाज की बौद्धिक परंपरा और स्थानीय ज्ञान प्रणाली को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। यह पहल प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इस अवसर पर राजस्व विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे।

धोबेदंड संकुल कोड़ेकसा का प्राथमिक परीक्षा परिणाम शतप्रतिशत रहा

दल्लीराजहरा। शासकीय प्राथमिक शाला धोबेदंड संकुल कोड़ेकसा का प्राथमिक परीक्षा परिणाम शतप्रतिशत रहा। वहां कुल 11 छात्र एवं छात्राएं अध्ययन अध्यनरत थे। जहां सभी विद्यार्थी इस परीक्षा में सफल हुए हैं। प्राथमिक शाला धोबेदंड में मानस ठाकुर 93 प्रतिशत अंक के साथ स्कूल में प्रथम स्थान युगांश एवं जतिन कुमार यादव 89.50 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय स्थान एवं चितेश्वर 88.50 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया है। शाला परिवार एवं शाला प्रबंधन समिति ने इन छात्र छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दिया है।

20 मई को प्रस्तावित राष्ट्रव्यापी दवा व्यापार 24 घंटे के लिए बंद के अंतर्गत सभी केमिस्ट साथियों से अनुरोध

दल्लीराजहरा। एआईओसीडी के आह्वान पर 20 मई को प्रस्तावित राष्ट्रव्यापी दवा व्यापार 24 घंटे के लिए बंद के अंतर्गत सभी केमिस्ट साथियों से अनुरोध है कि अपनी प्रतिष्ठान बंद रखकर संगठन का पूर्ण सहयोग प्रदान करें। साथ ही सभी साथी अपने आसपास के मेडिकल स्टोर्स पर भी ध्यान रखें। यदि कोई मेडिकल स्टोर खुला हुआ पाया जाता है, तो उसकी जानकारी एवं फोटो जिला ग्रुप में साझा करें। एकता ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। दल्ली राजहरा दवा विक्रेता संघ के अध्यक्ष रवि जायसवाल ने सभी केमिस्ट साथियों से अपील की है कि ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन आफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट द्वारा प्रस्तावित दवा दुकान बंद करने के कार्यक्रम 20 मई को राष्ट्र स्तरीय बंद के आह्वान को सफल बनाएं।

शनि अमावस्या पर मुनिसुव्रत नाथ भगवन का विधान किया गया

रायपुर। कचना, अमलतास केसल रेसीडेंसी स्थित 1008 मुनिसुव्रत नाथ दिगंबर जैन मंदिर में शनि अमावस्या के अवसर पर सुरेश मोदी के सान्निध्य में विशेष पूजा अर्चना की गई। भगवान 1008 मुनिसुव्रत नाथ की चल प्रतिमा को पाण्डुक शीला पर विराजित कर जलाभिषेक एवं शांतिधारा की गई। तत्पश्चात देव, शास्त्र एवं गुरु की पूजा अर्चना भक्तिमय माहौल में की गई। उपरोक्त जानकारी मंदिर के अध्यक्ष हिमांशु जैन ने दी। हिमांशु जैन ने बताया कि शनि अमावस्या पर 1008 मुनिसुव्रत नाथ भगवान विधान किया गया जिसके लाभार्थी एन.एल. जैन-कल्पना जैन परिवार एवं शीतल पालीवाल परिवार बने।

धान का समर्थन मूल्य बढ़ा तो कांग्रेसियों में मची बेचैनी : मुरलीधर सिन्हा

गरियाबंद। धान के समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी को लेकर राजनीति गरमा गई है। एक ओर सरकार इसे किसानों के हित में बड़ा फैसला बता रही है तो वहीं विपक्ष इसे केवल चुनावी रणनीति और किसानों को लुभाने का प्रयास करार दे रहा है। गांव-गांव में किसान समर्थन मूल्य बढ़ने की चर्चा कर रहे हैं। वहीं राजनीतिक दल इस मुद्दे पर अपनी-अपनी उपलब्धियां गिनाने में जुट गए हैं। इस बीच भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ छत्तीसगढ़ के प्रदेश सहसंयोजक मुरलीधर सिन्हा ने बताया कि आगामी खरीफ फसल में केन्द्र सरकार ने धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में 70 रूपये प्रति क्विंटल का बढ़ोतरी करते हुए 2441 रूपये एवं धान ग्रेड (ए) 2461 प्रति क्विंटल रूपये कर दिए हैं। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य में भाजपा की सरकार बनते ही अपने घोषणा पत्र में शामिल में से एक घोषणा किसानों के उपार्जित धान का 31 सौ रूपये प्रति क्विंटल के हिसाब से वर्ष 2023-24 के धान खरीदी किया गया और केन्द्र सरकार के न्यूनतम समर्थन मूल्य 2183 रुपए प्रति क्विंटल के भाव अन्तर राशि का अपने वायदे अनुसार भुगतान किया गया और किसानों के उपार्जित धानों का उचित मूल्य देकर किसानों के चेहरे में चमक लाने का प्रयास किया गया। अब भी 659 रूपये प्रति क्विंटल न्यूनतम समर्थन मूल्य से अधिक राशि मिलेंगे । अब न्यूनतम समर्थन मूल्य 70 रूपये बढ़ने से कांग्रेसियों के पेट में मरोड़ एवं दर्द उठने लगा है कि 31 सौ रूपये के साथ बढ़े समर्थन मूल्य की अन्तर राशि को किसानों को भुगतान किया जावे। ऐसे मुद्दाविहीन कांग्रेसियों को जनता सबक सिखा चुकी है अरे जब आपकी सरकार छत्तीसगढ़ में थी तो किसानों को कितना रूलाया था यह जगजाहिर है। किसानों के गाढ़ी कमाई धान की गुणवत्ता को नमक पानी में डुबोकर खरीदते थे गिरदावरी के नाम पर किसान के जमीन का रकबा घटा दिए थे, मेड़ कोटवर के लिए रखे जमीन ट्यूबवेल पंप हाऊस आदि का रकबा घटा दिए थे, अब ये बताओ कांग्रेसियों बिना मेड़ के कौन किसानी करता है, इनके नेता तो ऐसा मशीन का खोज किए थे कि एक तरफ आलू डालो दूसरा तरफ सोना निकलेगा। भाजपा नेता मुरलीधर सिन्हा ने कहा कि कांग्रेसियों की सरकार को जनता उखाड़ कर फेंकने लगी है और आने वाले समय में देश के नक्शे से कांग्रेसी ऐसे गायब हो जाएंगे कि एक दिन ढूंढते रह जाएंगे।

चहेते व्यापारी को लाभ पहुंचाने वाले 'विवादित' तहसीलदार का तबादला, रोपण भूमि पर दिया था स्थगन

भानुप्रतापपुर। प्रशासनिक गलियारे से इस वक्त की बड़ी खबर आ रही है। शासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए भानुप्रतापपुर के विवादित तहसीलदार सुरेंद्र उर्वसा का तत्काल प्रभाव से स्थानांतरण कर दिया है। पिछले कुछ दिनों से तहसीलदार अपनी कार्यप्रणाली और गंभीर आरोपों को लेकर लगातार सुर्खियों में थे। आरोप है कि उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए नियमों को ताक पर रखकर एक रसूखदार व्यापारी को करोड़ों रुपये की सरकारी जमीन का सीधा फायदा पहुंचाया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पूरा मामला वन विभाग की पौधरोपण योजना से जुड़ा है। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए वन विभाग द्वारा भैसमुंडी में नारंगी क्षेत्र' की एक सरकारी भूमि को पौधरोपण के लिए प्रस्तावित किया गया था। विभाग यहाँ पौधे लगाने की तैयारी कर ही रहा था कि इस बेशकीमती जमीन पर एक रसूखदार व्यापारी की नजर पड़ गई। इसके बाद, तहसीलदार ने अपने अधिकारों की सीमाओं को लांघते हुए उक्त प्रस्तावित भूमि पर स्थगन आदेश जारी कर दिया। इस मनमाने आदेश के कारण वन विभाग का पौधरोपण कार्य अधर में लटक गया।

राजस्व विभाग की दखलअंदाजी का यह पहला मामला नहीं

यह कोई पहला मामला नहीं है जब राजस्व विभाग ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर वन विभाग के काम में दखलअंदाजी की हो। सूत्रों का कहना है कि उक्त तहसीलदार पहले भी इसी रसूखदार व्यापारी से मोटी रकम लेकर मुख्य मार्ग के पास प्राइम लोकेशन की सरकारी जमीन उपलब्ध करा चुके हैं।

दलालों का जाल : पटवारी को 'अर्टिका कार' गिफ्ट मिलने की चर्चा

क्षेत्र में यह चर्चा भी जोरों पर है कि जमीन की इस अवैध खरीद-बिक्री के खेल में केवल तहसीलदार ही नहीं, बल्कि पूरा तंत्र शामिल था। सूत्रों के मुताबिक, जमीन दलालों और अफसरों के बीच मोटी रकम का लेन-देन हुआ है। इस सौदेबाजी से खुश होकर एक जमीन दलाल द्वारा क्षेत्र के एक पटवारी को 'अर्टिका' वाहन गिफ्ट किए जाने की बात भी सामने आ रही है, जो पूरे महकमे में कौतूहल का विषय बनी हुई है। लगातार मिल रही शिकायतों और नियमों की धज्जियां उड़ाने के इस मामले को गंभीरता से लेते हुए शासन ने आखिरकार तहसीलदार पर गाज गिरा दी है और उन्हें तत्काल प्रभाव से भानुप्रतापपुर से हटा दिया है। इस कार्रवाई के बाद से क्षेत्र के भू-माफियाओं और भ्रष्ट अधिकारियों में हड़कंप मचा हुआ है।

ज्येष्ठ अमावस्या पर कोंडागांव में वट सावित्री व्रत की धूम

कोंडागांव। ज्येष्ठ अमावस्या के अवसर पर कोंडागांव नगर में वट सावित्री व्रत श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह से ही मंदिरों और वट वृक्षों के पास सुहागिन महिलाओं की भीड़ उमड़ी। पारंपरिक वेशभूषा और सोलह श्रृंगार में सजी महिलाओं ने विधि-विधान से बरगद वृक्ष की पूजा-अर्चना कर परिक्रमा की तथा व्रत कथा सुनी। महिलाओं ने पति की लंबी उम्र, परिवार की सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य की कामना की। एनसीसी मैदान स्थित वट वृक्ष के नीचे विशेष पूजा एवं कथा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। पूरे शहर में दिनभर भक्तिमय वातावरण बना रहा।

संक्षिप्त समाचार

सुशासन तिहार के माध्यम से आमजन की समस्याओं का हो रहा त्वरित समाधान-अमर अग्रवाल

बिलासपुर। पूर्व मंत्री एवं बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल ने कहा है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रारंभ हुआ सुशासन तिहार प्रदेश में सुशासन और जनसेवा का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। शासन की योजनाओं और सुविधाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के साथ-साथ आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी क्रम में अमर अग्रवाल ताला पारा, बिलासपुर में आयोजित सुशासन तिहार कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रवासियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को तत्काल निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। इसके पश्चात वे शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मस्तूरी, जिला बिलासपुर में आयोजित सुशासन तिहार कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां उन्होंने क्षेत्रवासियों से आत्मीय संवाद करते हुए उनकी मांगों एवं समस्याओं को सुना तथा अधिकारियों को शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य आमजन को सरल, पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन उपलब्ध कराना है। संध्याकालीन सत्र में आयोजित अपनों से मुलाकात कार्यक्रम में भी अमर अग्रवाल ने क्षेत्रवासियों से भेंट कर उनकी समस्याएं सुनीं और हरसंभव समाधान का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

जनजातीय गरिमा उत्सव के तहत 118 गांवों में जन भागीदारी अभियान शुरू, वंचितों तक पहुंचेगा योजनाओं का लाभ

बिलासपुर। जनजातीय कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार जिले में जनजातीय गरिमा उत्सव के अंतर्गत जन भागीदारी अभियान का शुभारंभ किया गया। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने मंथन सभाकक्ष में आयोजित अधिकारियों के ओरियंटेशन कार्यक्रम के साथ अभियान की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल योजनाओं के क्रियान्वयन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आदिवासी समुदाय के समग्र सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम बनेगा। जिले के आदिवासी बहुल 118 गांवों की लगभग 1 लाख आबादी को लक्षित कर यह विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इनमें 3674 विशेष पिछड़ी जनजाति के बैगा एवं बिरहोर परिवार भी शामिल हैं। अभियान के तहत 19 से 25 मई तक विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं में पात्र लेकिन अब तक वंचित लोगों को लाभान्वित किया जाएगा। जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल सहित संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। अभियान के अंतर्गत ग्राम स्तर पर स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाए जाएंगे, जहां ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक उपचार एवं परामर्श उपलब्ध कराया जाएगा। 20 मई को प्रत्येक गांव में ग्राम संपर्क अभियान चलाया जाएगा, जिसमें अधिकारी, कर्मयोगी, समाजसेवी एवं जनप्रतिनिधि ग्रामीणों से सीधे संवाद कर योजनाओं की जानकारी देंगे तथा आगामी जनसुनवाई की तिथियों से अवगत कराएंगे। 21 से 23 मई तक गांवों में जनसुनवाई आयोजित कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनी जाएंगी और उनका त्वरित निराकरण किया जाएगा। जनसुनवाई की पूरी कार्रवाई का विधिवत दस्तावेजीकरण भी किया जाएगा। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गांवों में सबसे गरीब, दिव्यांग एवं जरूरतमंद लोगों की सूची तैयार कर यह सुनिश्चित करें कि वे शासन की किसी योजना से वंचित न रहें। उन्होंने कहा कि जिन आदिवासी परिवारों को अभिलेखों के अभाव में जाति प्रमाण पत्र बनवाने में कठिनाई होती है, उनके लिए वंशवृक्ष तैयार कर ग्राम पंचायत से अनुमोदन कराया जाए।

बिलासपुर में मैथिलीशरण गुप्त गौरव ग्रंथ विमोचन व विमर्श का अभिनव कार्यक्रम

राष्ट्र कवि मैथिलीशरण गुप्त ने राष्ट्रीय विमर्श की आधारशिला रखी

बिलासपुर। बिलासपुर के शासकीय जेपी वर्मा कला एवं वाणिज्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय सभागार में राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त गौरव ग्रंथ के विमोचन एवं विमर्श का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रयास प्रकाशन साहित्य अकादमी और गहोई वैश्य समाज बिलासपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में न्यायमूर्ति डॉ. चन्द्र भूषण वाजपेई मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं थावे विद्यापीठ गोपालगंज के कुलपति डॉ. विनय कुमार पाठक ने अध्यक्षता की। विशेष अतिथि के रूप में मनोहर लाल बरसैंया, डॉ. श्याम लाल निराला, लक्ष्मी नारायण बिलैया और डॉ. आर.के. गांधी मौजूद रहे। प्रमुख अतिथि न्यायमूर्ति डॉ चन्द्र भूषण वाजपेई ने अपने सारगर्भित संबोधन में आयोजकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि मैथिलीशरण गुप्त का पूरा जीवन और साहित्य राष्ट्र के लिए समर्पित रहा है। उन्होंने खड़ी बोली हिन्दी को समृद्ध किया तथा महाकाव्य, खण्ड काव्य,मुक्तक व प्रगीत काव्य के द्वारा हिन्दी काव्य की नींव स्थापित की। अध्यक्षता की आसंदी से उद्बोधित उद्गार के उपक्रम में डा विनय कुमार पाठक ने कहा कि राष्ट्र कवि मैथिलीशरण गुप्त ने राष्ट्रीय विमर्श की जो आधारशिला रखी, उसके विकास और कार्यान्वयन का समय आ गया है। डॉ विनय कुमार पाठक ने गौरव ग्रंथ की समीक्षा करते हुए कहा कि समीक्षकों ने वाद को प्रमुखता देकर और राष्ट्रीय नारा को पार्श्व में रखकर जो भूल की है, उसे अब सुधारने और पुनर्पाठ के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति में समावेशित करने की आवश्यकता है। विशेष अतिथि संपादक मनोहर लाल बरसैंया ने गौरव ग्रंथ की संकल्पना और संघर्ष का ब्यौरा प्रस्तुत किया वहीं डॉ श्याम लाल निराला ने गौरव ग्रंथ को राष्ट्र स्तर का निर्दिष्ट करते हुए संपादक त्रय को बधाई दी। लक्ष्मी नारायण बिलैया एवं डॉ आर के गांधी ने गहोई वैश्य समाज बिलासपुर द्वारा राष्ट्र कवि की जयंती मनाने व उनकी प्रतिमा स्थापित जैसे महत्वपूर्ण कार्य की योजना का स्मरण किया और प्रस्तुत ग्रंथ को देश के लिए धरोहर बताया। कार्यक्रम के प्रारंभ में सरस्वती व राष्ट्र कवि मैथिलीशरण गुप्त के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रवलन के साथ डाक्टर किरण राठौर द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना व राष्ट्र कवि के गीत की प्रस्तुति दी। अतिथियों के स्वागत के बाद विमोचन एवं विमर्श के अतिरिक्त राष्ट्र कवि के पुस्तकों की प्रदर्शनी व विक्री भी आकर्षण के केंद्र बनी।यह योजना पीयूष गुप्ता बुक डिपो के सौजन्य से संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉ विनोद कुमार गुप्त संपादक एवं आभार प्रदर्शन राज कुमार बरसैंया ने किया। इस अवसर पर जिन लोगों की उपस्थिति महत्वपूर्ण रही, उनमें राधवेंद्र दूबे, डॉ रमेश चंद्र श्रीवास्तव, डॉक्टर बजरंगबली शर्मा और विष्णु कुमार तिवारी प्रमुख थे।गहोई वैश्य समाज से डॉक्टर वी के नगरिया, सचिव अमित सेठ,शिव कुमार मोतले, राजकुमार बरसैंया, संजीव बहरे एवं समाज की उपाध्यक्षा श्रीमती रश्मि बिलैया और मनीष बरसैंया उपस्थित थे।इस अवसर पर बड़ी संख्या में कवि, साहित्यकार और विद्वतजनों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को भव्य और गरिमामय स्वरूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एसईसीएल मुख्यालय में समर कैंप 2026 का शुभारंभ किया

बिलासपुर। साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) द्वारा कर्मचारियों के बच्चों के लिए आयोजित बहुप्रतीक्षित एसईसीएल समर कैंप 2026 का शुभारंभ आज एसईसीएल मुख्यालय, बिलासपुर में उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। एसईसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन किया। डीएवी पब्लिक स्कूल, एसईसीएल वसंत विहार, बिलासपुर में आयोजित उद्घाटन समारोह के साथ 21 डेज़ ऑफ फन, फिटनेस एंड लर्निंग थीम पर आधारित इस 21 दिवसीय समर कैंप की शुरुआत हुई। यह कैंप 18 मई 2026 से 10 जून 2026 तक एसईसीएल के विभिन्न संचालन क्षेत्रों में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर एसईसीएल मुख्यालय के विभागाध्यक्षगण, जेसीसी प्रतिनिधि, वेलफेयर कमेटी, एससी/एसटी काउंसिल तथा सिस्टा/ओबीसी एसोसिएशन के प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। अपने संबोधन में निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों के व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास संवर्धन एवं रचनात्मक क्षमता के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ खेल, कला, संस्कृति एवं नवाचार आधारित गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित किया। समर कैंप के दौरान बच्चों के लिए फिटनेस एवं खेलकूद, कला एवं शिल्प, संगीत, नृत्य, रचनात्मक गतिविधियाँ, रोबोटिक्स, व्यक्तित्व विकास तथा विभिन्न शिक्षाप्रद एवं मनोरंजक सत्र आयोजित किए जाएंगे।

महाप्रबंधक ने कोचिंग डिपो, बिलासपुर का किया निरीक्षण, सुरक्षा एवं अग्नि संरक्षा पर दिया जोर....

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने आज बिलासपुर स्थित कोचिंग डिपो का निरीक्षण कर यात्री सुरक्षा, अग्नि संरक्षा तथा कोच अनुरक्षण व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पिट लाइन, पावर कारों की तकनीकी स्थिति एवं विभिन्न मेंटेनेंस कार्यों का परीक्षण किया। महाप्रबंधक ने निर्देश दिए कि पावर कार इंजनों के ओवरड्यू शेड्यूल समय पर पूरे किए जाएं तथा सभी निर्धारित सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अग्नि सुरक्षा से जुड़े विद्युत परीक्षणों को गंभीरता से लेते हुए नियमित जांच करने तथा पावर पैनल से संबंधित खराबियों की विस्तृत जांच कर उनकी पुनरावृत्ति रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मल्टीमीटर, टोंग टेस्टर एवं थर्मल स्कैनर जैसे आवश्यक उपकरण हमेशा उपलब्ध रहें, ताकि लूज कनेक्शन, ओवर करंट एवं हॉट स्पॉट जैसी समस्याओं की समय रहते पहचान की जा सके। साथ ही ऑन बोर्ड स्टाफको आवश्यक स्पेयर एवं उपभोग्य सामग्री, विशेषकर फ्यूज, पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। महाप्रबंधक ने पिट लाइन से रेक निकासी से पहले रेक लॉकिंग सुनिश्चित करने तथा यार्ड एवं स्टेशन यार्ड में खड़ी रेकों की नियमित जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रेनों के प्रस्थान से पर्याप्त पहले कोच खोले जाएं और रेकों की प्री-कूलिंग सुनिश्चित की जाए, ताकि यात्रियों को बेहतर सुविधा मिल सके। निरीक्षण के अंत में महाप्रबंधक ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के तीनों मंडलों में सभी रेकों का विशेष सुरक्षा ऑडिट कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यात्री सुरक्षा रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है और सुरक्षा मानकों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

रेत के अवैध उत्खनन पर प्रदेशव्यापी कार्रवाई जोरों पर, खनिज विभाग का मैदानी अमला खनन क्षेत्रों में लगातार कर रहा है निगरानी

बिलासपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशों के अनुरूप प्रदेश में अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ खनिज विभाग का अभियान लगातार जारी है। केंद्रीय उड़नदस्ता एवं जिला स्तरीय जांच दल विभिन्न जिलों में खनन क्षेत्रों की लगातार निगरानी कर रही है और अवैध गतिविधि पर त्वरित कार्रवाई भी कर रहा है। खनिज विभाग के सचिव और संचालक के निर्देश पर केंद्रीय खनिज उड़नदस्ता की संयुक्त टीम मध्यरात्रि को बिलासपुर जिले में औचक निरीक्षण कर बड़ी कार्रवाई की। जांच के दौरान पचपेड़ी तहसील अंतर्गत ग्राम उदईबंध एवं अमलडीहा क्षेत्र में शिवनाथ नदी में मशीनों के माध्यम से अवैध रेत उत्खनन किया जाना पाया गया। मौके पर तीन चीन माउंटेन मशीनें अवैध उत्खनन में संलग्न मिलीं। जांच दल को देखकर मशीन ऑपरेटर मशीनों को मौके पर छोड़कर फरार हो गए।खनिज विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 के तहत ग्राम उदईबंध में दो तथा अमलडीहा में एक चैन माउंटेन मशीन को जप्त कर सील कर दिया। साथ ही जवाब प्रस्तुत करने हेतु नोटिस जारी कर मशीनों के मुख्य द्वार पर चस्पा किया गया। कार्रवाई के दौरान खनिज विभाग के अधिकारियों ने कहा है कि शासन को राजस्व हानि पहुंचाने वाली अवैध गतिविधियों के खिलाफआगे भी कठोर कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

बिलासपुर मंडल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस अभियान 2026 के अंतर्गत जन-जागरूकता रैली एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस अभियान 2026 के अंतर्गत 15 मई से 5 जून 2026 तक व्यापक स्तर पर पर्यावरण संरक्षण एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। यह अभियान केवल एक दिवस तक सीमित न होकर विस्तारित अवधि में चरणबद्ध रूप से संचालित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत जागरूकता, संवाद एवं व्यवहार परिवर्तन पर आधारित विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में आज दिनांक 18 मई 2026 को प्रात: 07 बजे मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, बिलासपुर परिसर से बिलासपुर स्टेशन परिसर तक जलवायु परिवर्तन विषय पर प्रभात फेरी एवं जन-जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली में विद्यालयों के छात्र-छात्राएँ, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, सेंट जॉन एम्बुलेंस के स्वयंसेवक तथा सिविल डिफेंस के सदस्य उत्साहपूर्वक शामिल हुए। कार्यक्रम में अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री जे. एस. मीना, श्री के. श्रीनिवास, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता श्री दीपक ठाकुर, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी श्री साकेत रंजन, मंडल पर्यावरण एवं हाउसकीपिंग प्रबंधक श्री एस. साई रमेश सहित विभिन्न विभागों के लगभग 240 अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बिलासपुर स्टेशन परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए गए, जिनके माध्यम से प्लास्टिक प्रदूषण के दुष्परिणामों, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों तथा पर्यावरण संरक्षण के उपायों को जनसामान्य तक पहुँचाया गया। नुक्कड़ नाटक की जीवंत प्रस्तुति के माध्यम से जल संरक्षण, स्वच्छ जीवनशैली अपनाने एवं वृक्षारोपण हेतु प्रेरित किया गया। साथ ही उपस्थित सभी लोगों ने बेहतर एवं स्वच्छ पर्यावरण के लिए पौधारोपण एवं पौधों की देखरेख का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत विशेष रूप से स्थापित सेल्फी प्वाइंट आकर्षण का केंद्र रहा, जहाँ उपस्थित यात्रियों एवं आगंतुकों ने सेल्फी लेकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए जागरूकता का संदेश प्रसारित किया। विश्व पर्यावरण दिवस अभियान के अंतर्गत बिलासपुर मंडल के बिलासपुर, उसलापुर, अनूपपुर, शहडोल, चांपा, रायगढ़, अंबिकापुर एवं उमरिया सहित सभी प्रमुख स्टेशनों पर जलवायु परिवर्तन विषय पर प्रभात फेरी एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान यात्रियों एवं आमजन को पोस्टर, बैनर एवं जनसंदेशों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रेरित किया गया।

सद्गुरु कबीर प्राकट्य उत्सव बरसाईत हर्षोल्लास के साथ मनाया

संत कबीर नगर वार्ड नंबर 11 सिरगिट्टी में हुआ समपन्न

बिलासपुर। सदगुरु कबीर प्राकट्य उत्सव बरसाईत संत कबीर नगर वार्ड क्रमांक 11 नयापारा सिरगिट्टी बिलासपुर में दिनांक 16 मई 2026 दिन शनिवार को कबीर गुरुद्वारा समिति झोपड़ापारा कीर्ति नगर के द्वारा हर्षोल्लास के साथ सद्गुरु कबीर प्राकट्य बरसाईत पर्व कबीर पंथ समाज एवं भारतीय मानिकपुरी पनिका समाज के सदस्यों द्वारा मनाया गया। सद्गुरु कबीरगुरुद्वारा समिति पंजीयन क्रमांक 13562 सदस्यों ने शोभायात्रा निकालकर नगर का भ्रमण किया गया तत्पश्चात बरसाईत पर्व के उपलक्ष पर सात्विक चौका आरती , भंडारा प्रसाद वितरण एवं समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति प्रमाण पत्र एवं प्रतीक चिन्ह, समाज के वरिष्ठ एवं संत महंत वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को शाल श्रीफल देकर सम्मानित किया गया जिसमें अपने श्रद्धापूर्वक चौका आरती आमीन माता ने प्रज्वलित कराया इस अवसर पर सदगुरु कबीर गुरुद्वारा समिति के संरक्षक शीतल दास मानिकपुरी पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष भारतीय मानिकपुरी पनिका समाज एवं छत्तीसगढ़ के प्रभारी अध्यक्ष , सदस्य असंगठित कर्मकार सामाजिक सुरक्षा मंडल छत्तीसगढ़ शासन के रूप में उपस्थित होकर प्रतिभावान छात्र-छात्राओं एवं वरिष्ठ जनों का सम्मान किया गया इस अवसर पर गरिमामय उपस्थिति माननीया श्रीमती केसरी इंगोले पार्षद संत कबीर नगर वार्ड क्रमांक 11 नया पारा सिरगिटी बिलासपुर, श्यामदास महन दिया, सुंदर दास हेवार सेवानिवृत्त शिक्षक, संतोष दास पंनरिया, गणेश दास, बीरबल दास, मनहरण दास, आरती दास पनरिया,भगवान दास,शिवदास महंत,दर्शन दास सरजाल, चेतन दास महंत,लक्ष्मण दास मानिकपुरी,संरक्षक मंडल में श्रीमती तीज बाई,पुषाऊ दास दीवान,सनातन दास ,गणपत दास, सुकृत दास महंत, बिसाहू दास,प्रीतम दास,हरिचरण दास, सीडी मानिकपुरी, एस दास ,लक्ष्मण दास ,एंन,डी मानिकपुरी, शंकर दास ,निर्मल दास, देवदास ग्वाल,नोहर दास, सुकृतदास टांडिया ,लतेलदास, प्रीतम दास ,नैन दास पनरिया ,डॉ राजेश महंत ,संजय दास, सदगुरु कबीर गुरुद्वारा समिति के सम्माननीय अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती मानिकपुरी, उपाध्यक्ष परमेश्वर दास पंनरिया, सचिव शंकर दास मानिकपुरी, कोषाध्यक्ष मनमोहन दास मानिकपुरी, कार्यकारी अध्यक्ष ईश्वर दास पंडरिया, दुर्गा दास दीवान, कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती मीना पनरिया, फूलबाई मानिकपुरी,ज्योति पनरिया,गीता मानिकपुरी, राजेंद्र दास,अनीता सरजाल, ईश्वर दास, धनु मानिकपुरी,रविदास पनरिया, गोविंद दास ,ललिता मानिकपुरी ,किरण मानिकपुरी ,भगवती मानिकपुरी, आशा लता महनदीया ,सुनीता महनदीया, सविता मानिकपुरी, रामबाई मानिकपुरी, शांति बाई मानिकपुरी, अहिल्याबाई चित्रलेखा मानिकपुरी ,शिव कुमारी मानिकपुरी, प्रकाश कोटी ,गौतम दास, अनुभव दास ,अमर दास ,सचिन दास मानिकपुरी, अजय दास मानिकपुरी, राकेश दास मानिकपुरी ,विजय दास मानिकपुरी, यशु मानिकपुरी, सरिता मानिकपुरी, फेकनबाई मानिकपुरी ,मनीष दास मानिकपुरी, अमन दास मानिकपुरी, आदि हजारों की संख्या में कबीर पंथ एवं भारतीय मानिकपुरी पनिका समाज के सामाजिक जन उपस्थित रहे।

15 दिवसीय पशु सखी प्रशिक्षण कार्यक्रम.....

■ महिलाओं ने सीखे पशु स्वास्थ्य एवं पशुपालन के व्यवहारिक गुर

बिलासपुर। ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा गांवों में पशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) बिलासपुर द्वारा आयोजित 15 दिवसीय पशु सखी प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम महिलाओं को पशुपालन के क्षेत्र में तकनीकी, व्यवहारिक एवं स्वरोजगार आधारित दक्षता प्रदान करने की महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ पशु चिकित्सा विभाग की डॉ. रंजना नंदा एवं डॉ. तन्मय ओट्लवार की उपस्थिति में किया गया था। समापन अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि प्रशिक्षित पशु सखियां गांवों में पशुओं की देखभाल, रोगों की प्रारंभिक पहचान, टीकाकरण के प्रति जागरूकता तथा प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालकों को समय पर सहायता मिल सकेगी और पशुधन की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।आरसेटी संचालक ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम केवल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें स्वरोजगार से जोड़ने का प्रभावी माध्यम है।

घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाने के वास्तु टिप्स

एक खुशहाल घर ईंट-पत्थरों से नहीं, बल्कि उसमें रहने वाले लोगों के बीच के सामंजस्य, प्रेम और सकारात्मक ऊर्जा से बनता है। इसके लिए आपको घर के वास्तु पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। यदि आप भी अपने घर में तनावग्रस्त रहते हैं, या कलह निरंतर बनी रहती है तो अपने जीवन और घर को खुशहाल बनाने के लिए आप वास्तुनुसार छोटे छोटे बदलाव करके तथा वास्तु सलाह पर ध्यान देकर घर में खुशहाली ला सकते हैं।

आइए यहां जानते हैं घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाने के लिए 10 वास्तु टिप्स...

① मुख्य द्वार पर 'स्वास्तिक' और 'ॐ':
घर के मुख्य दरवाजे पर सिंदूर से स्वास्तिक या ॐ का चिन्ह बनाएं। यह नकारात्मक ऊर्जा को घर में प्रवेश करने से रोकता है और शुभता लाता है।

② ईशान कोण (North-East) को रखें खाली:
घर के उत्तर-पूर्वी कोने को देवताओं का स्थान माना जाता है। यहां कभी भी भारी सामान या कबाड़ न रखें। इस जगह को हमेशा साफ-सुथरा और खुला रखें।

③ नमक के पानी का पोंछा:
हफ्ते में कम से कम दो बार पानी में थोड़ा समुद्री नमक (Sea Salt) मिलाकर पोंछा लगाएं। यह घर की नकारात्मक तरंगों को सोख लेता है और सकारात्मकता बढ़ाता है।

④ ईशान कोण में जल का पात्र:
घर की उत्तर-पूर्व दिशा में एक तांबे के लोटे में पानी भरकर रखें। इसे रोज बदलें। यह घर में सुख और शांति का संचार करता है।

⑤ किचन में 'अग्नि' और 'जल' की दूरी:
वास्तु के अनुसार चूल्हा यानी अग्नि और पानी का सिंक एक-दूसरे के बगल में नहीं होने चाहिए। इनके बीच कम से कम 2-3 फीट की दूरी रखें या बीच में कोई लकड़ी का बोर्ड रख दें।

⑥ शाम को जलाएं कपूर:
रोजाना शाम के समय घर में कपूर जलाकर पूरे घर में उसका धुआं दिखाएं। इससे घर के सूक्ष्म वास्तु दोष दूर होते हैं और वातावरण शुद्ध होता है।

⑦ टूटी-फूटी चीजें तुरंत हटाएं:
घर में बंद घड़ी, टूटा हुआ कांच, या दरार वाले बर्तन न रखें। ये चीजें विकास में बाधा डालती हैं और घर में दरिद्रता लाती हैं।

⑧ जूते-चप्पल की सही जगह:
मुख्य द्वार के ठीक सामने कभी भी जूते-चप्पल का ढेर न लगाएं। इसे हमेशा साइड में या रैक के अंदर रखें, ताकि घर में आने वाली सकारात्मक ऊर्जा का रास्ता न रुके।

⑨ बेडरूम में आईना (Mirror) न हो:
सोते समय आईने में आपका शरीर नहीं दिखना चाहिए। अगर बेडरूम में आईना है, तो रात को उसे किसी कपड़े से ढक दें। इससे मानसिक तनाव कम होता है और वैवाहिक जीवन सुखद रहता है।

⑩ सकारात्मक पौधों का चुनाव:
घर में मनी प्लांट, तुलसी या एलोवेरा जैसे पौधे लगाएं। कांटेदार पौधे (जैसे कैक्टस) घर के अंदर लगाने से बचें, क्योंकि ये रिश्तों में कड़वाहट ला सकते हैं।

घड़े और सुराही का पानी पीते हैं

सफाई का रखें खास ख्याल

नहीं तो पड़ सकते हैं बीमार

अगर आप घड़े और सुराही का पानी पीते हैं, तो यह जानना जरूरी है कि उनकी सफाई किस तरह से करनी चाहिए। घड़े और सुराही का पानी न सिर्फ ठंडा रहता है बल्कि यह पानी पीने में भी स्वादिष्ट लगता है हालांकि, अगर इनकी सही से सफाई न की जाए तो इससे पानी में कीटाणु बढ़ सकते हैं जो आपको बीमार भी कर सकते हैं।

एक चमच बेकिंग सोडा, एक बड़ा चमच सफेद सिरका और थोड़ा सा नमक मिलाकर एक घोल बना लें। इसे घड़े में डालें और ब्रश से रगड़ें।

पानी में भिगोकर रखें : घड़े को पानी भरने से पहले, उसे रात भर पानी में भिगोकर रखें। इससे घड़े की अंदरूनी सफाई होती है और पानी भी अच्छे से ठंडा रहता है।

रोजाना सफाई करें : हर रोज सुराही या घड़े को खाली करें और गर्म पानी से अच्छी तरह से धोएं। इससे अंदर जमा गंदगी और कीटाणु निकल जाएंगे।

ब्रश का उपयोग करें : एक लंबे हैंडल वाला ब्रश लें जो घड़े या सुराही के अंदर तक पहुंच सके। इससे अंदर की सतहों को अच्छी तरह से साफ किया जा सकता है।

विनेगर का उपयोग करें : महीने में एक बार विनेगर और पानी का मिश्रण बनाकर उससे घड़े या सुराही को धोएं। विनेगर कीटाणुनाशक होता है और यह गंध को भी दूर करता है।

बेकिंग सोडा और सिरका का उपयोग : एक कटोरी में

खीरा खाते वक्त हर कोई करता है ये गलती

दोगुना फायदा लेने से चूक जाते हैं लोग

गर्मियों में खीरा-ककड़ी और पानी वाले फल खाने की सलाह दी जाती है। इस मौसम में कुछ हल्का और ठंडा खाने का मन करता है। लोग गर्मियों में खाने में सलाद जरूर खाते हैं और सलाद में पहली पसंद होता है ठंडा-ठंडा खीरा, जो पानी से भरपूर होता है। खीरा की तासीर ठंडी मानी जाती है। इसे खाने से पेट आसानी से भर जाता है और शरीर ठंडा रहता है। खीरा में कई विटामिन और मिनरल्स भी पाए जाते हैं। हालांकि बहुत सारे लोग खीरा खाते वक्त ऐसी गलती कर बैठते हैं जिसकी वजह से उन्हें भरपूर फायदा नहीं मिल पाता है। आपकी इस गलती से शरीर को खीरा से सारे फायदे नहीं मिल पाते हैं। जानिए आप खीरा खाते वक्त क्या गलती कर बैठते हैं?

बिना छीले खीरा खाने के फायदे?

डाइटिशियन की मानें तो खारी खाते वक्त लोग एक छोटी सी गलती कर बैठते हैं जिससे शरीर को उतना फायदा नहीं मिल पाता है। ज्यादातर लोग खीरा को छीलकर खाते हैं। लेकिन अगर आप खीरा को बिना छीले खाते हैं तो इससे कहीं ज्यादा फायदा मिलता है। खीरा के छिलका में विटामिन ए यानि बीटा कैरोटिन और विटामिन के पाया जाता है। जो शरीर और बालों को लिए फायदेमंद साबित होता है।

पाचन के लिए बेहतर- जिन लोगों को कब्ज और पाचन संबंधी समस्याएं रहती हैं उन्हें बिना छीले ही खीरा खाना चाहिए। खीरा के छिलका में अघुलनशील फाइबर होता है जो कब्ज से राहत दिलाता है। बोवेल मूवमेंट को बेहतर बनाने में और पेट साफ करने में मदद करता है। वजन घटाए- अगर आप बिना छीले खीरा खाते हैं तो इसकी कैलोरी और भी कम हो जाती हैं। खीरा में फाइबर और रफेज की मात्रा इसके छिलके से और बढ़ जाती है। बिना छीले खीरा खाने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है। इससे खाने के क्रेविंग कम होती है और मोटापा कम करने में मदद मिलती है। एजिंग को रखे दूर- खीना खाने से स्किन ग्लो करती है लेकिन इसके खीरा के छिलके में एस्कॉर्बिक एसिड होता है जो एजिंग को कम करता है। इससे पाए जाने वाले पोषक तत्व ऑक्सीडेटिव डैमेज से स्किन को प्रोटेक्ट करते हैं। विटामिन ए और के से भरपूर- खीरा के छिलके में विटामिन ए पाया जाता है जो आंखों को स्वस्थ बनाने में मदद करता है। बीटा कैरोटीन लेना है तो खीरा को बिना छीले ही खाएं। इसके अलावा खीरा के छिलके में ब्लड को क्लॉटिंग में बदलने में मदद करने वाला विटामिन के भी पाया जाता है। विटामिन के हड्डियों को मजबूत बनाता है।

गर्मियों में अपनाएं ये ब्यूटी टिप्स

गर्मियों के मौसम में स्किन का नैचुरल ग्लो खत्म हो जाता है और स्किन से जुड़ी तमाम समस्याएं होने लगती हैं। तेज धूप में सबसे कॉमन समस्या टैनिंग की होती है। वहीं कुछ लोगों को गर्मी के दिनों में चेहरे पर दाने और मुहांसे भी होने लगते हैं। रोजाना सुबह ऑफिस जाने वाली महिलाओं को स्किन से जुड़ी ज्यादा समस्याएं होती हैं। ट्रैवलिंग के दौरान प्रदूषण, धूल मिट्टी की वजह से स्किन डैमेज और दाग धब्बे जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अगर आप भी रोजाना ऑफिस जाती है, तो आपको एक्सपर्ट के बताएं कुछ ब्यूटी टिप्स को फॉलो करना चाहिए।

● एक्सफोलिएट करें
गर्मियों में स्किन खुद को हेल्दी रखने और किसी भी जलन या सनबर्न को ठीक करने के लिए कड़ी मेहनत करती है। ऐसे में एक्सफोलिएट करने से मदद मिल सकती है। एक्सफोलिएशन डेड स्किन सेल्स को हटाने में मदद करता है। ऐसा करने के बाद आपकी स्किन चमकदार दिखती है। ध्यान रखें कि त्वचा को जरूरत से ज्यादा एक्सफोलिएट न करें। हफ्ते में एक बार ऐसा करना ठीक है।

● सनस्क्रीन जरूर लगाएं
बहुत ज्यादा यूवी एक्सपोजर आपकी स्किन को नुकसान पहुंचा सकता है और सनबर्न, झुर्रियां, फाइन लाइन्स और समय से पहले बुढ़ापे के लक्षण दिख सकते हैं। ऐसे में एक ऐसा सनब्लॉक या सनस्क्रीन खरीदें जिसमें यूवी स्पेक्ट्रम कम से कम एसपीएफ 30 हो। घर से बाहर निकलने से पहले इसे अपनी त्वचा के सभी खुले हिस्सों पर लगाएं।

● मेकअप कम करें
गर्मियों के महीनों में मेकअप कम से कम करें। ऐसा इसलिए क्योंकि आपकी त्वचा को सांस लेने की जरूरत होती है, इसलिए जब मौसम बहुत गर्म हो तो मिनरल-आधारित मेकअप लगाने की कोशिश करें क्योंकि ये प्रोडक्ट हल्के होते हैं। अगर आप फाउंडेशन लगाना पसंद करते हैं तो इसकी जगह एसपीएफ वाला टिंटेड मॉइस्चराइजर लगाएं। इस पर फेस पाउडर लगा सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष राशि - आपकी राशि के तृतीय भाव में चंद्रमा गोचर करेंगे, जहां पर पहले से शुक्र और देव गुरु मौजूद रहेंगे। प्रथम भाव में स्थित मंगल आपको ऊर्जा से लबरेज रखेंगे, जिससे करियर में चुनौतीपूर्ण लक्ष्यों को पाना आसान होगा। बिजनेस में नई योजनाओं पर अमल करने का यह सही समय है। आर्थिक लाभ के अवसर मिलेंगे, लेकिन निवेश में जल्दबाजी न करें।

वृषभ राशि - आपके लिए संचित धन और पारिवारिक सुख में वृद्धि का है, क्योंकि आपकी राशि के द्वितीय भाव में चंद्रमा गोचर करेंगे। आपकी राशि में सूर्य और बुध की उपस्थिति करियर में आपको एक नई पहचान दिलाएगी। नौकरी में प्रमोशन या नई जिम्मेदारी मिलने के प्रबल योग है। व्यापारिक जातकों को बड़ा आर्थिक लाभ हो सकता है। वाणी में मधुरता होने से दांपत्य जीवन और प्रेम संबंधों में मिठास आएगी।

मिथुन राशि - आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास का होगा, क्योंकि आपकी राशि के प्रथम भाव में चंद्रमा गोचर करेंगे, जहां पर शुक्र और गुरु के साथ मिलकर त्रिग्रही योग बनाएंगे। यह त्रिग्रही युति करियर में सफलता और मान-सम्मान दिलाएगी। बिजनेस में प्रतिस्पर्धा के बावजूद आप अपनी बुद्धिमानी से बड़ी जीत हासिल करेंगे। आर्थिक स्थिरता बनी रहेगी और निवेश से लाभ होगा। लव लाइफ में रोमांस चरम पर रहेगा और विवाह के प्रस्ताव मिल सकते हैं।

कर्क राशि - आपकी राशि के द्वादश भाव में चंद्रमा गोचर करेंगे। करियर के सिलसिले में विदेश यात्रा या दूर की यात्रा के योग बन रहे हैं। बिजनेस में किसी भी बड़े जोखिम से बचें, अन्यथा आर्थिक हानि हो सकती है। नौकरीपेशा लोगों को कार्यस्थल पर विरोधियों से सतर्क रहने की जरूरत है। प्रेम संबंधों में दूरी या तनाव महसूस हो सकता है, इसलिए धैर्य से काम लें।

सिंह राशि - आपके लिए उपलब्धियों और लाभ से भरा रहेगा, क्योंकि आपकी राशि के एकादश भाव में चंद्रमा का गोचर होगा। करियर में लंबे समय से अटके हुए काम पूरे होंगे और आय के नए स्रोत बनेंगे। बिजनेस में किया गया निवेश भविष्य में बड़ा मुनाफा देगा। लव लाइफ में पार्टनर के साथ पुरानी गलतफहमियां दूर होंगी और दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। दोस्तों के साथ मिलकर कोई नई शुरुआत कर सकते हैं।

कन्या राशि - कार्यक्षेत्र में अधिकार और तरक्की का होगा, क्योंकि आपकी राशि के दशम भाव में चंद्रमा गुरु और शुक्र के साथ युति बनाएंगे। करियर में आपकी मेहनत को वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सराहा जाएगा, जिससे पदोन्नति का मार्ग प्रशस्त होगा। व्यापार में नई साझेदारी लाभप्रद सिद्ध होगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और नए अनुबंध मिल सकते हैं। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी और पिता का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से दिन अनुकूल है, आपका आत्मविश्वास आपको मानसिक रूप से सशक्त बनाए रखेगा।

तुला राशि-आपके लिए भाग्य और आध्यात्मिक उन्नति का रहेगा, क्योंकि आपकी राशि के नवम भाव में चंद्रमा का गोचर होगा। करियर में भाग्य का साथ मिलने से कठिन कार्य भी आसानी से पूरे हो जाएंगे। नौकरी के नए अवसर प्राप्त होंगे। आर्थिक लाभ की अच्छी संभावना है, लेकिन फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। प्रेम प्रसंगों में स्थिरता आएगी और पार्टनर के साथ किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। रिश्तों में सामंजस्य बना रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और आप खुद को मानसिक रूप से बहुत शांत और सुखी महसूस करेंगे।

वृश्चिक राशि - आपकी राशि के अष्टम भाव में चंद्रमा गोचर करेंगे। करियर में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से करें। बिजनेस में किसी बड़े निवेश से फिलहाल बचें। आर्थिक उतार-चढ़ाव की स्थिति बन सकती है। लव लाइफ में पार्टनर की भावनाओं का सम्मान करें, अन्यथा ब्रेकअप जैसी स्थिति आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें, चोट या दुर्घटना के प्रति सतर्क रहें। शनि की दृष्टि से कार्य में विलंब हो सकता है, धैर्य न खोएं।

धनु राशि- आपके लिए साझेदारी और दाम्पत्य सुख को बढ़ाने वाला है, क्योंकि कल से आपकी राशि के सप्तम भाव में चंद्रमा गुरु और शुक्र के साथ गोचर करेंगे। बिजनेस में नए एग्रीमेंट हो सकते हैं जो भविष्य में तरक्की दिलाएंगे। नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन प्रगतिशील रहेगा। लव लाइफ में प्रेम और आकर्षण बढ़ेगा, पार्टनर के साथ सुखद समय बीतेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार और समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य शानदार रहेगा और आप नई ऊर्जा के साथ अपने कार्यों को गति प्रदान करेंगे।

मकर राशि - मेहनत और प्रतिस्पर्धा में जीत का होगा, क्योंकि आपकी राशि के छठे भाव में चंद्रमा का गोचर होगा। करियर में आपको कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन आपकी मेहनत रंग लाएगी। बिजनेस में उधारी से बचें। आर्थिक लेनदेन में सावधानी बरतें। प्रेम संबंधों में थोड़ा तनाव हो सकता है, वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें, पेट या पाचन संबंधी समस्या हो सकती है।

कुंभ राशि- आपकी राशि के पंचम भाव में चंद्रमा का गोचर होगा। विद्यार्थियों के लिए सफलता के नए द्वार खुलेंगे। करियर में आपकी नई रणनीतियां सफल होंगी और आर्थिक लाभ के अवसर मिलेंगे। बिजनेस में आय बढ़ेगी। लव लाइफ में रोमांस के अवसर मिलेंगे और आप पार्टनर के साथ गहरा लगाव महसूस करेंगे। संतान पक्ष से कोई शुभ समाचार मिल सकता है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, लेकिन राहु की उपस्थिति से मन में कभी-कभी भ्रम या अस्थिरता आ सकती है।

मीन राशि- सुख-सुविधाओं और मानसिक स्थिरता का रहेगा, क्योंकि आपकी राशि के चतुर्थ भाव में चंद्रमा गोचर करेंगे। करियर में स्थिरता आएगी और आप अपने काम से संतुष्ट रहेंगे। बिजनेस में माता या घर के बुजुर्गों के सहयोग से लाभ होगा। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी, घर की साज-सज्जा पर धन खर्च कर सकते हैं। प्रेम संबंधों में भावनात्मक मजबूती आएगी।

गर्म पानी के साथ खा लीजिए बस दो लौंग

खिल उठेगी सेहत

भारतीय रसोई में लौंग का इस्तेमाल स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि लौंग सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होती है? आयुर्वेद में लौंग को एक जड़ी बूटी के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। इसमें मौजूद यूजेनॉल नामक तत्व कई बीमारियों से लड़ने में मदद करता है। लौंग सिर्फ एक मसाला नहीं बल्कि एक औषधि भी है। अगर आप रोज रात गुनगुने पानी के साथ दो लौंग खाते हैं तो कई बीमारियों से छुटकारा पाया जा सकता है। जानिए लौंग के अद्भुत फायदे।

✦➢ पाचन तंत्र को मजबूत बनाए
लौंग में पाए जाने वाले तेल पाचन को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। यह पेट की गैस, अपच और कब्ज जैसी समस्याओं को दूर करने में मददगार है। रोजाना दो लौंग खाने से पाचन तंत्र मजबूत होता है और भोजन आसानी से पच जाता है।

✦➢ दांतों और मसूड़ों के लिए फायदेमंद
लौंग में एंटीसेप्टिक गुण होते हैं जो दांतों और मसूड़ों के संक्रमण से बचाते हैं। दांतों में दर्द होने पर लौंग को चबाने से आराम मिलता है। साथ ही, लौंग मुंह की बदबू को दूर करने में भी मदद करती है।

✦➢ इम्यूनिटी बढ़ाए
लौंग में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। नियमित रूप से लौंग का सेवन करने से आप सर्दी, जुकाम और अन्य संक्रमण से बचे रह सकते है।

✦➢ तनाव कम करे
लौंग में एंटी-स्ट्रेस गुण पाए जाते हैं। रोजाना दो लौंग खाने से तनाव और चिंता कम होती है। यह आपको शांत और तनावमुक्त महसूस कराती है।

✦➢ जोड़ों के दर्द में राहत
लौंग में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो जोड़ों के दर्द और सूजन को कम करने में मदद करते है। गठिया के रोगियों के लिए लौंग का सेवन फायदेमंद होता है।

खसखस का हलवा खाने के फायदे

यह दिमाग को तेज करने में सहायक होता है। इसे खाने से प्रोटीन, ओमेगा-6 फैटी एसिड, फाइबर, कैल्शियम मिलता है। इसमें फाइटोकेमिकल्स, विटामिन बी, थायमिन, और मैंगनीज भी पाया जाता है। इसको रातभर पानी में भिगोकर सुबह इसको पीस या छिस लेते हैं। किसने के बाद उसे दूध में मिलाकर पीएं या इसका हलवा बनाकर खाएं। आओ जानते हैं कि खसखस का हलवा खाने के क्या है फायदे।

1. कब्ज करता दूर :
खसखस फाइबर का बेहतरीन स्त्रोत है, जिसका प्रयोग करने से कब्ज की समस्या नहीं होती। यह पाचन क्रिया को अच्छे से संचालित करने में मदद करता है। इसके अलावा कई तरह की छोटी-छोटी समस्याओं जैसे अधिक प्यास लगना, बुखार, सूजन या पेट में होने वाली जलन से राहत पाने के लिए खसखस का प्रयोग किया जाता है। यह पेट में बढ़ने वाली गर्मी को भी शांत करने में सहायक है।

2. दिमाग को रखता तरोताजा :
खसखस का हलवा आपके दिमाग में तरावट पैदा करके उसे तरोताजा बनाए रखने में सक्षम है। यह सभी तरह के दिमागी दर्द को मिटा देता है क्योंकि इसमें ओमेगा-6 होता है। खसखस मानसिक तनाव से मुक्ति दिलाने में मदद करता है।

3. दर्द निवारक :
खसखस को दर्द निवारक के रूप में जाना जाता है, क्योंकि इसमें पाया जाने वाला ओपियम एल्कलॉइड्स सभी प्रकार के दर्द को दूर करने में सहायक है। मांसपेशियों में या जोड़ों के दर्द में इसका प्रयोग किया जाता है।

4. त्वचा को बनाए रखे जवां :
खसखस खाने से चेहरे पर चमक और दमक बनी रहती है। यह चेहरे पर झुर्रियों को नहीं आने देते हैं। यह एंटी एजिंग का काम करता है। ठंड में इसे एक दिन छोड़कर खाना चाहिए। इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं, जो आपको जवां बनाए रखने में मदद करता है। इसके अलावा खसखस त्वचा को नमी प्रदान करने में भी सहायक होता है। यह त्वचा की जलन व खुजली को कम करने के साथ ही एक्जिमा जैसी समस्याओं से लड़ने में मदद करता है।

5. श्वास संबंधी समस्या को करता है दूर : खसखस खाने से सांस संबंधी तकलीफ कुछ हद तक दूर होने लगती है। इसके साथ ही यह खांसी को कमकर सांस संबंधी समस्याओं में लंबे समय तक आराम दिलाने में भी मदद करता है।

6. गुर्दे की पथरी : गुर्दे की पथरी में इलाज के तौर पर भी खसखस को सेवन किया जाता है। इसमें पायाजाने वाला ऑक्सलेट्स, शरीर में मौजूद अतिरिक्त कैल्शियम का अवशोषण कर गुर्दे में पथरी बनने से रोकता है।

7. अनिद्रा : अगर आप नींद न आने की समस्या से परेशान हैं, तो सोने से पहले खसखस का गर्म दूध पीएं या हलवा खाएं। यह आपके लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है। यह अनिद्रा की समस्या को दूर करता है। यह आपको नींद लेने के लिए प्रेरित करेगा।

महाघेराव : दुर्ग नगर निगम के खिलाफ सड़कों पर उतरी कांग्रेस, बैरिकेड तोड़े

पेयजल संकट, चरमराई बिजली व्यवस्था और टेंडर घोटालों को लेकर फूटा आक्रोश

पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू और अरुण वोरा की अगुवाई में प्रदर्शन

दुर्ग। शहर में सोमवार को नगर निगम के खिलाफ कांग्रेस का भारी आक्रोश देखने को मिला। पेयजल संकट, बदहाल बिजली व्यवस्था, चरमराए कचरा प्रबंधन और टेंडर प्रक्रियाओं में भारी भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए जिला कांग्रेस कमेटी ने नगर निगम का जोरदार घेराव किया। प्रदर्शन के दौरान स्थिति इतनी उग्र हो गई कि आंदोलनकारी कार्यकर्ताओं ने पुलिस के पहले घेरे (बैरिकेड) को तोड़ दिया।

छावनी में बदला निगम, पुलिस से हुई झूमाझटकी-आंदोलन की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने नगर निगम परिसर को छावनी में तब्दील कर दिया था। चारों तरफ भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। जैसे ही कांग्रेस का हुजूम निगम दफ्तर की ओर बढ़ा, कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच तीखी झूमाझटकी हुई। उग्र कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए बैरिकेडिंग को गिरा दिया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए हालात को काबू में कर लिया।

दिग्गज नेताओं की अगुवाई में फूटा गुस्सा-इस बड़े प्रदर्शन में प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, पूर्व विधायक अरुण वोरा, शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल और ग्रामीण जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर मुख्य रूप से शामिल हुए। नेताओं ने निगम प्रशासन को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि आज शहर की जनता बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रही है। गंदे पानी की सप्लाई और अघोषित बिजली कटौती ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है।

टेंडर घोटाले और भ्रष्टाचार का आरोप-कांग्रेस नेताओं ने सीधे तौर पर निगम की टेंडर प्रक्रियाओं पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि शहर के विकास कार्यों के टेंडरों में भारी अनियमितताएं और बंदरबांट हो रही है। कचरा कलेक्शन ठप होने से हर गली-मोहल्ला डंपिंग यार्ड बन चुका है। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इन समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो आने वाले दिनों में इससे भी बड़ा और उग्र आंदोलन किया जाएगा।

धमधागढ़ गोंड महासभा ने विरोधियों का पुतला फूंका

मुख्यमंत्री के नाम कलेक्ट्रेट में सौंपा ज्ञापन

दुर्ग। केन्द्रीय गोंड महासभा, धमधागढ़ कचहरी घुर्वा देवालय सिविल लाइन दुर्ग के पदाधिकारियों द्वारा समाज के विरोधियों का पुतला दहन किया गया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन भी सौंपा गया। महासभा के अध्यक्ष मंगलदास ठाकुर (एम.डी. ठाकुर) ने बताया कि माननीय उच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 04 मई को रजिस्ट्रार फर्म एवं संस्थाएं छत्तीसगढ़ के आदेश पर स्थगन (स्टे) प्रदान किया गया है। इसके अलावा न्यायालय ने 17 अप्रैल को वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के उप सचिव के उस आदेश को यथावत रखा है, जिसमें 17 फरवरी को केन्द्रीय गोंड महासभा धमधागढ़ के आदेश को विधिवत रूप से मानते हुए मंगलदास ठाकुर (एम.डी. ठाकुर) को अध्यक्ष घोषित किया गया है। इस अवसर पर महासभा के पदाधिकारियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने न्यायालय के फैसले का स्वागत किया और समाज विरोधी गतिविधियों में लिप्त लोगों के खिलाफ अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया। सोमवार की शाम केंद्रीय गोंड महासभा के लोग सिविल लाइन से रैली निकाल कर दुर्ग कलेक्ट्रेट पहुंचे यहां उन्होंने पटेल चौक पर एक साथ चार पुतले जलाए और कलेक्ट्रेट पहुंचकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान पुलिस प्रशासन ने कड़े नाकेबंदी कर रखी थी।

पितरों के संस्कारों को सेवा के माध्यम से आगे बढ़ाना ही सच्ची श्रद्धांजलि : नेहा गोयल

गर्मी में राहत बनकर उतरा समाजसेवी घरौंदा परिवार का आत्मीय सेवा आयोजन

धमतरी। ज्येष्ठ अमावस्या के पावन अवसर पर अपने पूज्य पितरों की पुण्य स्मृति एवं आशीर्वाद स्वरूप धमतरी के समाजसेवी ममता-ताराचंद गोयल घरौंदा परिवार द्वारा राहगीरों के लिए शीतल मठा सेवा का आत्मीय आयोजन किया गया। तपती गर्मी और तेज धूप के बीच यह सेवा लोगों के लिए राहत, संवेदना और अपनत्व का सुंदर संदेश बनकर सामने आई। इस सेवा कार्य में नेहा-अमित गोयल ने सक्रिय सहभागिता निभाई। वहीं नन्हीं अर्शिया एवं काव्या ने सहज मुस्कान और आत्मीय भाव से राहगीरों को मठा पिलाकर सभी का मन मोह लिया। बच्चियों की संवेदनशील सहभागिता ने आयोजन को और अधिक भावपूर्ण बना दिया। नेहा गोयल ने कहा कि ज्येष्ठ अमावस्या केवल पितरों के स्मरण का अवसर नहीं, बल्कि उनके दिए संस्कारों को सेवा, संवेदनशीलता और मानवता के माध्यम से आगे बढ़ाने का भी दिन है। भीषण गर्मी में किसी प्यासे व्यक्ति को शीतलता पहुंचाना सबसे बड़ा संतोष देता है। इस पुनीत सेवा आयोजन में सुलेखा जोशी, सुनीता भट्टर, राज जैन, कविता राठी, आनंद जैस, सुभाष मलिक, सरिता दोशी, राजा, चुनेश्वर, रिज़वान एवं एनु का विशेष सहयोग रहा।

सुशासन तिहार-2026

अहिवारा के मंगल भवन में जनसमस्या निवारण शिविर संपन्न

दुर्ग / छ.ग. शासन द्वारा आयोजित सुशासन तिहार 2026 के तहत 16 मई को वार्ड क्र. 03 स्थित मंगल भवन में जन समस्या शिविर का आयोजन किया गया जिसमें शासन के समस्त विभागों द्वारा स्टॉल लगाया गया। आयोजित शिविर में वार्ड क्र. 05, 06, 07 एवं 08 के साथ नगर के सभी वार्ड के नागरिकों ने शिविर में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते हुए मांग व शिकायत हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया । साथ में शिविर में अन्य विभागों द्वारा लगाए गए तात्कालिक सुविधा का लाभ लिया गया।

आयोजित शिविर में कुल 149 मांग/शिकायत प्राप्त हुई है। शिविर में महिला एवं बाल विकास द्वारा 49 महिला हितग्राहियों का शिविर में ही ई-केवायसी किया गया, 21 हितग्राहियों का आधार अपडेशन और 4 लोगों का तत्काल नया आधार कार्ड बनाया गया। गोद भराई 04 महिलाओं का, आभा आईडी 122, स्वास्थ्य विभाग द्वारा 53 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं दवाई वितरण किया गया। आयुष हेल्थ परीक्षण और आयुर्वेदिक दवाइयों का वितरण 67 मरीजों को किया गया। परिवहन विभाग द्वारा 22 लोगों का लर्निंग लाइसेंस बनाया गया। साथ ही 4 महिला हितग्राहियों को 20-20 हज़ार का राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना का स्वीकृति पत्र, पेंशन स्वीकृति पत्र, 4 हितग्राहियों को राशन कार्ड का वितरण किया गया। शिविर में आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण को देखते हुए अहिवारा के सम्माननीय नागरिकों से शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने हेतु अपील हेतु पांफलेट का भी अनावरण किया गया।

आयोजित शिविर में नगर पालिका अध्यक्ष श्री विद्यानंद कुशवाहा, अनुविभागीय अधिकारी भिलाई 03 श्री महेश सिंह राजपूत, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री प्रवीण सिंह गहलोत , पुलिस विभाग से डीएसपी दानेश्वर साहू, तहसीलदार श्री राधे वर्मा, वार्ड क्र. 02 पार्षद श्री अनुज साहू, वार्ड क्र. 03 पार्षद इंदिरा बंजारे, वार्ड क्र. 05 पार्षद शिवनारायण अग्रवाल, वार्ड क्र. 07 पार्षद कीर्ति राजा शिवाले, वार्ड क्र. 12 पार्षद पुरूषोत्तम वर्मा, वार्ड क्र. 13 पार्षद केशव महिलांग, वार्ड क्र. 15 पार्षद मुकुंद पटेल के साथ समस्त विभाग के ब्लॉक स्तरीय अधिकारी,नगर पालिका के उपअभियंता खिलानंद कुल्हारे एवं अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जिला बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस द्वारा जिले के समस्त बैंकों में चलाया गया आकस्मिक चेकिंग अभियान

बलौदाबाजार। जिला बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस द्वारा विशेष बैंक चेकिंग अभियान चलाया गया।अभियान के दौरान पुलिस अधिकारियों द्वारा विभिन्न बैंकों में पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। इस दौरान बैंक अधिकारियों एवं कर्मचारियों से बैंक सुरक्षा, अलार्म सिस्टम, सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली तथा अन्य सुरक्षा उपायों के संबंध में आवश्यक जानकारी प्राप्त की गई। साथ ही बैंक परिसरों में आने-जाने वाले व्यक्तियों से उनके बैंक आने के प्रयोजन के संबंध में पूछताछ कर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी गई। निरीक्षण के दौरान पुलिस टीम द्वारा बैंक प्रबंधन को सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने, सीसीटीवी कैमरों को नियमित रूप से चालू स्थिति में रखने एवं किसी भी संदिग्ध व्यक्ति अथवा गतिविधि की तत्काल सूचना पुलिस को देने हेतु निर्देशित किया गया। जिला पुलिस द्वारा आमजन से सतर्क एवं सुरक्षित रहने की अपील करते हुए बैंक परिसर एवं आसपास संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को देने की समझाइश भी दी गई।

सुशासन शिविर में कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने बुजुर्ग ग्रामीण के लिये लिखा आवेदन

2 घण्टे में ही हो गया जगदीश की समस्या का समाधान

बलौदाबाजार। विकासखंड पलारी के ग्राम पंचायत कुसमी में सुशासन तिहार अंतर्गत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में एक संवेदनशील दृश्य देखने को मिला जब कलेक्टर कुलदीप शर्मा एक बुजुर्ग के पास बैठकर समस्या सुनी और खुद बुजुर्ग आवेदक के लिये आवेदन लिखा। कलेक्टर ने आवेदन पर त्वरित कार्यवाही के निर्देश एसडीएम को दिये जिस कार्यवाही करते हुए पर 2 घंट में समस्या का समाधान कर दिया गया। ग्राम गातापार निवासी लगभग 70 वर्षीय बुजुर्ग जगदीश प्रसाद वर्मा सुशासन शिविर में अपनी समस्या लेकर पहुंचे थे। फॉर्म लेकर आवेदन लिखने की जद्दोजहद कर रहे थे उसी समय स्टॉल अवलोकन के दौरान कलेक्टर कुलदीप शर्मा की नजर उन पर पड़ी तो नजदीक जाकर आत्मीयता से बात की। जगदीश वर्मा ने बताया कि एक व्यक्ति द्वारा शासकीय भूमि में अतिक्रमण कर रास्ता बंद कर दिया है। रास्ता के लिये आवेदन देने आया हूं लेकिन आवेदन लिखने में परेशानी हो रही है। इस पर कलेक्टर शर्मा ने बुजुर्ग जगदीश वर्मा के पास बैठकर उनसे फॉर्म लेकर आवेदन लिखा और भरोसा दिलाया कि उनकी समस्या का तत्काल समाधान होगा। कलेक्टर के निर्देश पर राजस्व अमले द्वारा ग्राम गातापार पहुंचकर जगदीश प्रसाद वर्मा और अनावेदक भुलाऊ निषाद का समझौता कराकर आपसी सहमति से निस्तारी हेतु 10 फीट रास्ता दिलवाया गया। जिला प्रशासन की त्वरित कार्यवाही से खुश जगदीश प्रसाद वर्मा ने कहा कि भुलाऊ निषाद द्वारा शासकीय जमीन में दीवाल खड़ा कर दिया था जिससे निस्तारी के लिये रास्ता बंद हो गया था। प्रशासन के कार्यवाही से पूरी तरह संतुष्ट हुं।

छत्तीसगढ़ महिला कांग्रेस में बड़ा सियासी भूचाल : प्रदेश से बूथ तक सभी कार्यकारिणी भंग, नए नेतृत्व की कवायद तेज

अलका लांबा के निर्देश पर संगठन का व्यापक पुनर्गठन शुरू, संगीता सिन्हा के पदभार ग्रहण के अगले ही दिन आया बड़ा फैसला

बालोद। छत्तीसगढ़ प्रदेश महिला कांग्रेस में शनिवार को बड़ा संगठनात्मक बदलाव देखने को मिला। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने प्रदेश में महिला कांग्रेस संगठन को नए सिरे से खड़ा करने और उसे अधिक सक्रिय, मजबूत एवं प्रभावशाली बनाने के उद्देश्य से प्रदेश, जिला, ब्लॉक और बूथ स्तर तक की सभी वर्तमान कार्यकारिणियों को तत्काल प्रभाव से भंग करने का निर्देश जारी किया है। इस फैसले के बाद प्रदेशभर में महिला कांग्रेस के भीतर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है और नए नेतृत्व को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। जारी निर्देश में स्पष्ट कहा गया है कि महिला कांग्रेस के व्यापक पुनर्गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। संगठन अब ऐसे कार्यकर्ताओं और नेताओं को जिम्मेदारी सौंपेगा, जिन्होंने पार्टी के लिए जमीनी स्तर पर सक्रिय भूमिका निभाई हो। सदस्यता अभियान में योगदान, जनसंपर्क, आंदोलन एवं संघर्षों में भागीदारी और पार्टी के प्रति समर्पण को नई नियुक्तियों का प्रमुख आधार बनाया जाएगा।

संगठन में नई ऊर्जा भरने की तैयारी

महिला कांग्रेस नेतृत्व का मानना है कि बदलते राजनीतिक माहौल में संगठन को अधिक सक्रिय और जनहित के मुद्दों पर आक्रामक भूमिका में लाने की आवश्यकता है। यही कारण है कि बूथ स्तर तक संगठन को फिर से खड़ा करने की रणनीति बनाई गई है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, आगामी चुनावी रणनीति और महिलाओं के बीच संगठन की पकड़ मजबूत करने के उद्देश्य से यह बड़ा कदम उठाया गया है। राष्ट्रीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा ने कहा है कि सभी नई नियुक्तियां व्यापक चर्चा, विचार-विमर्श और सर्वसम्मति के बाद की जाएंगी। साथ ही संगठन के सभी वर्तमान पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से पुनर्गठन प्रक्रिया में सहयोग की अपेक्षा भी जताई गई है।

ALL INDIA MAHILA CONGRESS

ALKA LAMBA

संगीता सिन्हा के पदभार ग्रहण के बाद बढ़े राजनीतिक मायने

इस फैसले को राजनीतिक रूप से भी काफी अहम माना जा रहा है। दरअसल, संजारी बालोद विधानसभा की विधायक संगीता सिन्हा ने छत्तीसगढ़ प्रदेश महिला कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया था। इसके महज एक दिन बाद ही प्रदेशभर की सभी कार्यकारिणियों को भंग करने का आदेश सामने आना राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बन गया है। राजनीतिक जानकार इसे महिला कांग्रेस में बड़े बदलाव और नए समीकरणों की शुरुआत के रूप में देख रहे हैं। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में संगठन में कई नए चेहरे सामने आ सकते हैं और सक्रिय महिला नेताओं को बड़ी जिम्मेदारियां मिल सकती हैं।

दिल्ली मुलाकात के बाद तेज हुई अटकलें

गौरतलब है कि कुछ दिनों पूर्व संगीता सिन्हा ने दिल्ली में राष्ट्रीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा से मुलाकात कर संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की थी। इस मुलाकात के बाद से ही प्रदेश महिला कांग्रेस में बड़े बदलाव की अटकलें लगाई जा रही थीं। अब कार्यकारिणियों को भंग किए जाने के फैसले ने उन चर्चाओं को और बल दे दिया है। इस बड़े संगठनात्मक फैसले के बाद अब सभी की नजरें नई कार्यकारिणियों और संभावित नियुक्तियों पर टिक गई हैं। प्रदेशभर की महिला कांग्रेस इकाइयों में नए नेतृत्व को लेकर दावेदारी और राजनीतिक गतिविधियां भी तेज होती दिखाई दे रही हैं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायतीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com